राष्ट्र की प्रगति में डाक कर्मियों.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 89 | गाजियाबाद / गुरूवार 02 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

● क्या डिलीट की चैट और कॉल? पुलिस ने सब बताया

हत्या से पहले सिया ने छीन लिया था केतन का फोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या से पहले केतन की मंगेतर सिया ने उसका मोबाइल फोन कुछ समय के लिए ले लिया था। हालांकि बाद में सिया ने केतन के एक रिश्तेदार को उसका मोबाइल सौंपा दिया था। अब पुलिस इस तफ्तीश में जुटी है कि क्या सिया ने केतन के मोबाइल से कोई सुराग मिटाए थे?

परिवार को सिया ने सौंपा था फोन– पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि केतन की हत्या के बाद कुछ समय तक उसका फोन सिया के पास था, लेकिन यह साफ नहीं है कि फोन के साथ कोई छेड़छाड़ की गई थी या नहीं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बाद में उसने केतन का मोबाइल उसके परिवार को सौंप दिया। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि जब फोन उसके पास था, तो क्या कोई अहम सबूत डिलीट किया गया या उसके साथ कोई छेड़छाड़ की गई। पुणे के लोहगढ़ किले में 26 साल के केतन अग्रवाल को कथित तौर पर सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने धक्का देकर मार डाला। जांच जारी रहने तक सिया और चेतन दोनों 3 जुलाई तक पुलिस की हिरासत में हैं। सिया और केतन की सगाई फरवरी में हुई थी। दोनों की शादी इस साल नवंबर में होने वाली थी। परिवारों ने शादी में मेहमानों को ले जाने के लिए जयपुर में एक महल 17 करोड़ रुपये में बुक किया था। साथ ही दो प्राइवेट प्लेन का इंतजाम भी किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केतन को सिया के अफेयर का शक था और उसने शादी पक्की करने से पहले अपने परिवार से सिया के बैकग्राउंड की जांच करने के लिए कहा था। केतन के पिता विशाल के अनुसार, उसने चेतन के साथ सिया की नजदीकियों को लेकर भी चिंता जताई थी।

एनडीए में बढ़ेगा कद 2 सांसद बन सकते हैं मंत्री

● अब दिल्ली में पावरफुल होंगे एकनाथ शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कद अब दिल्ली में भी बढ़ने के आसार हैं। खबर है कि शिवसेना से 2 सांसद मंत्री बनने वाले हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। ये अटकलें ऐसे समय पर लगाई जा रही हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी जोरों पर है। फिलहाल, इसकी तारीख और नाम स्पष्ट नहीं हैं। टीवी9 मराठी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि श्रीकांत शिंदे और ओमराजे निम्बालकर मंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। खबरें ये भी हैं कि गुरुवार को शिंदे दिल्ली रवाना हो रहे हैं। हालांकि, इस पर डिप्टी सीएम ने अब तक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, शिवसेना की तरफ से भी नामों का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ी मुसीबत

गिरफ्तारी वारंट जारी, कोर्ट ने कहा- पुलिस उन्हें क्यों नहीं ढूंढ़ पा रही

ग्वालियर (एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह वारंट ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम साल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को भी फटकार लगाई है।

2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला

दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतू पटवारी भिंड जिले में पहुंचे थे। यहां उमरी इलाके में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही थी कि बीएसपी के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। यह बयान सामने आने के बाद देवाशीष जरारिया के चुनावी प्रतिनिधि अशोक गुप्ता ने इस बात की शिकायत उमरी थाने में दर्ज कराई थी।

43 टांके, ब्रेन, हार्ट, लंग्स किडनी, लिवर, सब गायब

वेनेजुएला में भारतीय नाविक की मौत का रहस्य गहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस भारतीय नाविक राकेश चौहान का पार्थिव शरीर वेनेजुएवा से भारत लाया गया, उसके सारे प्रमुख अंग गायब होने के आरोप लगे हैं। परिवार वालों ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की है। परिवार वालों की शिकायत के बाद फेडरेशन ऑफ सीफेयर्स ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने इस मौत की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत जांच और परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। 33 वर्षीय राकेश चौहान उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। उनकी वेनेजुएला में कथित तौर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। लेकिन, जब उनका शव भारत आया तो इस मौत का रहस्य और गहरा गया।

परिवार ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की– फेडरेशन ऑफ सीफेयर्स ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में लिखा है चौंकाने वाला मामला है कि भारतीय नाविक राकेश चौहान के शव को वेनेजुएला की सरकार ने बिना ऑटोप्सी रिपोर्ट के यूपी में उनके गृह नगर भेज दिया।

राजस्थान में बस-ट्रेलर भिड़े, 8 लोगों की मौत

डीएन टेस्ट से पहचान होगी आग में फंसे थे 40 पैसेंजर्स

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात बस–ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने से और 2 की सिर पर चोट लगने के कारण हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक्सीडेंट कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ है। बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी स्लीपर में मध्य प्रदेश के अलग–अलग जिलों के 40 पैसेंजर्स थे। इनमें 21 लोग घायल भी हैं। 6 मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट भरी हुई थी।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

● ईरान ने लिखा-आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक

तेहरान (एजेंसी)। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी। भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

समुद्री निगरानी करने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को होर्मुज से कुल 40 जहाज गुजरे। इनमें से 16 जहाजों ने ईरान के समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया। ईरान चाहता है कि विदेशों में फंसी उसकी करीब 6 अरब डॉलर (करीब 57 हजार करोड़ रुपए) की संपत्ति पहले जारी की जाए। इसके बाद ही वह शांति समझौते के अगले चरण पर आगे बढ़ेगा। अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) ईरान के सुप्रीम लीडर की मंजूरी से हुआ है।

भारतीय सेना बना रही है स्पेशल 'बाज बटालियन'

● ड्रोन युद्ध और हवाई निगरानी के लिए बड़ी तैयारी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना खुद को हर क्षेत्र में मजबूत कर रही है। अब ड्रोन क्षेत्र में मजबूत होने की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके तहत भारत विशेष बाज बटालियन बना रहा है।

भारतीय सेना अपनी निगरानी क्षमता और ड्रोन युद्ध की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए विशेष बाज बटालियन बना रही है। ये बटालियन फ्रंटलाइन यूनिट्स को उन्नत हवाई निगरानी, सिचुएशनल अवेयरनेस और ड्रोन संचालन की सुविधा प्रदान करेंगी। सेना के सूत्रों ने बताया कि 'बाज बटालियन' सीमा निगरानी, ड्रोन युद्ध की तैयारी, संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशनल तैयारियों और फ्रंटलाइन यूनिट्स व इंटेलीजेंस सिस्टम के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करेंगी। 'बाज बटालियन' का गठन भारतीय सेना को और अधिक तकनीक-सक्षम और भविष्य-उन्मुख बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। मुख्य सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि ये बटालियन मौजूदा रिमोटली पाइलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) फ्लाइट्स पर आधारित होंगी।

ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए की पहल

सूत्रों के अनुसार, इन बटालियनों में विशेष प्रशिक्षित जवानों का पूल होगा, जो आरपीए सिस्टम को ऑपरेट और मैनेज करेंगे। इसका उद्देश्य खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाना है, ताकि युद्धक्षेत्र में निरंतर नजर रखी जा सके और तेज प्रतिक्रिया दी जा सके। ये बटालियन संभवत: आर्मी एविएशन कोर के अंतर्गत काम करेंगी। सेना ने हाल के संघर्षों रूस–यूक्रेन युद्ध, चीन के साथ एलएसी पर तनाव और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए यह पहल की है। इनमें ड्रोन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई थी। जनरल द्विवेदी ने हाल ही में कहा था कि दो साल पहले भारतीय सेना के पास मात्र कुछ सौ ड्रोन थे, जो अब बढ़कर 50,000 से ज्यादा हो चुके हैं। आने वाले 2–3 वर्षों में यह संख्या और दोगुनी हो सकती है।

दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल को मंजूरी

● मोदी कैबिनेट ने दूर की बाधा, 6970 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आज दो अहम हाइवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। इनमें दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल परियोजना शामिल है। साथ ही कानपुर-भोपाल के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए भी एक योजना को मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इन प्रस्तावों को मजूरी दी गई। दिल्ली में द्वारका टनल पर 6970 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट ने एनएच-148 एई से द्वारका एक्सप्रेस को जोड़ने के लिए 6 लेन की टन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लंबाई 8.1 किमी होगी और इस पर 6969.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर बनाया जाएगा।

यह प्रोजेक्ट अर्बन एक्सटेंशन रोड 2/द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज से जोड़कर पश्चिम और दक्षिण दिल्ली के बीच तेज कनेक्टिविटी देगा। इससे गुरुग्राम, द्वारका, एयरपोर्ट और पश्चिम दिल्ली से दक्षिण दिल्ली की ओर जाने वाले ट्रैफिक को भी फायदा होगा।

कानपुर-भोपाल हाइवे प्रोजेक्ट

कैबिनेट ने साथ ही उत्तर प्रदेश में एनएच–34 के कानपुर–कबराई सेक्शन को बीओटी (टोल) मोड पर 4/6 लेन वाले एक्सेस–कंट्रोल्ड हाईवे के तौर पर बनाने की मंजूरी दी है। इसकी कुल लागत 7145.14 करोड़ रुपये होगी। यह प्रोजेक्ट कानपुर और कबराई के बीच तेज रफ्तार कनेक्टिविटी देगा। साथ ही, यह सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के दूसरे इलाकों के लिए आगे की कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगा। इससे एक आधुनिक, एक्सेस–कंट्रोल्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेगा जो उत्तर प्रदेश के इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेंटर्स को मध्य प्रदेश के मिनरल–रिच, मैन्युफैक्चरिंग और एग्रीकल्चरल इलाकों से जोड़ेगा और स्थिति में सुधार लाएगा।

● जम्मू-कश्मीर में बादल फटा

अरुणाचल में बाढ़

नार्थ-ईस्ट में भारी बारिश से बन गए तबाही के हालात

एमपी और बिहार में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए।

बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई।

आर्मेनिया को मिली ब्रह्मोस, डरा पाकिस्तान का दोस्त

● भारत आर्मेनिया रक्षा समझौतों की अजरबैजान ने की आलोचना ● पाकिस्तान के दोस्त को अभी से सताने लगा है ब्रह्मोस का डर

बाकू/नई दिल्ली (एजेंसी)। अजरबैजान ने आर्मेनिया के साथ भारत के साथ मजबूत होते रक्षा संबंध को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। अजरबैजान को डर है कि भारत आर्मेनिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे एडवांस्ड हथियार दे सकता है जिससे वो डर गया है। इसीलिए अजरबैजान ने भारत के सामने इन संभावित रक्षा सौदों की कड़ी आलोचना की है। अजरबैजान के अधिकारियों और सरकारी मीडिया ने नई दिल्ली के इस कदम को दक्षिण काकेशस में अस्थिरता पैदा करने वाली 'युद्ध भड़काने' की कार्रवाई बताया है। ये वही अजरबैजान है जो लगातार भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देता आया है। वो कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का खुलकर समर्थन करता है और पिछले साल मई संघर्ष के दौरान भी अजरबैजान ने पाकिस्तान का साथ दिया था। इसके बाद अजरबैजान को उसी की भाषा में जवाब देने के लिए भारत ने आर्मेनिया के साथ तेजी से रक्षा संबंध बनाए हैं। 2020 और 2023 के नागोर्नो-काराबाख संघर्षों के बाद भारत और आर्मेनिया के बीच सैन्य संबंध काफी बढ़ गये हैं।

● **पिनाका और ब्रह्मोस से इतना डर क्यों रहा है–** आर्मेनिया ने पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ लगभग 2 अरब डॉलर के रक्षा अनुबंध किए हैं। इन समझौतों में कई तरह के एडवांस्ड सिस्टम शामिल हैं जैसे स्वाति वेपन–लोकेटिंग रडार, आकाश सरफेस–टू–एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम और बहुत ज्यादा पसंद किया जाने वाला पिनाका पिनाका सिस्टम को खास तौर पर इसकी शूट–एंड–स्कूट यानि दागो और भागो क्षमता के लिए पसंद किया जाता है। आर्मेनिया की सेना ने भारत में बने इन हथियारों को तेजी से अपनी सेना में शामिल किया है। आर्मेनिया ने हाल ही में सैन्य परेडों में इन सिस्टम्स का प्रदर्शन किया और उन्हें स्थानीय सांस्कृतिक नाम दिए। जैसे पिनाका का नाम बदलकर शांत रख दिया जिसका मतलब बिजली होता है। वहीं आकाश सिस्टम का नाम लुसान रखा गया है। आर्मेनिया अब लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता बनाने के लिए शक्तिशाली ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहा है। क्योंकि अजरबैजान पाकिस्तान से खरीदे गए एमआई–17 थंडर जेट जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ अपनी वायु सेना को आधुनिक बना रहा है।

● **अजरबैजान के राजनयिकों ने भारत के सामने दर्ज कराया विरोध–** अजरबैजान के अधिकारियों ने जिनमें संसद सदस्य और राष्ट्रपति के सहयोगी शामिल हैं उन्होंने भारतीय राजनयिकों के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया है और दावा किया है कि हथियारों की ये खेप उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। जब भी आर्मेनिया में भारतीय हार्डवेयर तैनात या प्रदर्शित किया जाता है तो यह राजनयिक विरोध बढ़ जाता है। इससे बाकू में कुछ लोग भारत के रणनीतिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अजरबैजान, पाकिस्तान और तुर्की के बीच और भी मजबूत सैन्य गठबंधन की वकालत करने लगते हैं।

राष्ट्र की प्रगति में डाक कर्मियों का अतुलनीय योगदान: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्र की प्रगति में अपने अथक समर्पण और निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डाक कर्मियों को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस के अवसर पर पूरे देश ने सलाम किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन कर्मठ सेवकों को बधाई दी, उनके बलिदान और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह दिवस उन लाखों डाक कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जो न केवल संदेशों और पार्सलों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों को भी संचार और विश्वास की डोर से बांधे रखते हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर हम अपने डाक कर्मचारियों के अटूट समर्पण, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं, जो देश भर में दूरियों को मिटाते हुए लाखों लोगों को आपस में जोड़ते हैं। उनकी अथक कोशिशों से यह सुनिश्चित होता है कि हर चिट्ठी, पार्सल और संदेश भरोसे, देखभाल और विश्वसनीयता के साथ अपनी मंजिल तक पहुंचे। आपकी अमूल्य सेवा के लिए दिल से आभार। गडकरी के ये शब्द भारतीय डाक सेवा के विशाल नेटवर्क और उसके पीछे की मानवीय शक्ति का सटीक चित्रण करते हैं। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी डाक कर्मियों की भूमिका को सराहा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डाक कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को राष्ट्र की प्रगति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास देश के विकास में अहम है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के कोने-कोने तक विश्वास, संवाद और सेवा का संदेश पहुंचाने में डाक कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संचार, सेवा और विश्वास की डोर को सशक्त बनाने में डाक कर्मियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ ये कर्मी प्रत्येक नागरिक तक डाक, वित्तीय सेवाएं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी डाक कर्मियों की कर्मनिष्ठा, समयबद्ध सेवा और जनसमर्पण को देशवासियों के विश्वास का सशक्त माध्यम बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी डाक कर्मियों के अथक परिश्रम, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसने देश के कोने-कोने तक संवाद और विश्वास

के सेतु को मजबूत किया है। भारतीय डाक सेवा, जो अपनी स्थापना के बाद से लगातार विकसित हो रही है, आज केवल चिट्ठियां पहुंचाने तक सीमित नहीं है। यह वित्तीय सेवाओं, बीमा योजनाओं, पासपोर्ट सेवाओं और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार, पिता को किया सैल्यूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के नए थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में आयोजित गार्ड ऑफ ऑनर समारोह में एक अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण दिखाई दिया। गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद, जनरल सेठ ने अपने पिता, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ, को सैन्य सैल्यूट किया। पिता ने भी पलटकर सैल्यूट किया, जिसके बाद नए सेना प्रमुख ने अपने पिता सहित वहां मौजूद परिजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य उपस्थित सैन्य अधिकारियों, जवानों और अतिथियों के लिए विशेष प्रेरणा का केंद्र रहा। इस समारोह में जनरल सेठ के छोटे भाई, रियर एडमिरल रवनीश सेठ भी मौजूद थे, जिन्होंने बड़े भाई को सैल्यूट कर अपनी खुशी व्यक्त की। भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे रहे इस परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चादं लगा दिए। यह सैन्य परंपरा, पारिवारिक संस्कारों और राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट समर्पण का एक अनूठा संगम था। पदभार संभालने के बाद, भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख जनरल सेठ ने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना उनके लिए गर्व और विनम्रता का विषय है। उन्होंने 'कर्तव्य, सम्मान और राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांतों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखाकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प लिया। नए थलसेना प्रमुख ने राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका साहस, समर्पण और निस्वार्थ सेवा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। जनरल सेठ ने 30 जून 2026 को सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है। इससे पहले वे सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित सभी पूर्व सेना प्रमुखों के योगदान को नमन किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र जनरल सेठ ने दिसंबर 1986 में भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था।

21 घंटे के संघर्ष के बाद बोरवेल में गिरे मासूम निर्भय ने तोड़ा दम

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला जिले के धनौरा गांव में उस वक्त मातम छा गया जब एक खुले बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे निर्भय को 21 घंटे तक चले अथक बचाव अभियान के बाद भी बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया है, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब मासूम निर्भय खेलते-खेलते अचानक खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन, भारतीय सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया गया था। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बचाव दल ने चौबीसों घंटे काम किया। बोरवेल के समानांतर एक गड्ढा खोदा गया, जिसमें ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई और लगातार बच्चे की स्थिति पर कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही थी। हालांकि, 21 घंटों की लगातार कोशिशों के बाद जब आखिरकार बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाला गया, तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी जांच की। मेडिकल ऑफिसर डॉ. ऋषिपाल के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू वाली जगह पर आप में से कई लोग सुबह से ही मौजूद थे। कई घंटों की लगातार कोशिशों के बाद बच्चे को आखिरकार बाहर निकाला गया और तुरंत इमरजेंसी डिपार्टमेंट में भेजा गया। रेस्क्यू वाली जगह पर ही हमने देखा कि बच्चे की हालत बहुत गंभीर थी। जब उसे अस्पताल लाया गया, तो हमने ईसीजी किया, जिससे पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को मॉर्चरी में भेज दिया गया।

राम मंदिर दान में गबन : साध्वी निरंजन ज्योति ने जाहिर की पीड़ा, जांच पर जताया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में हुए गबन पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रकरण से सभी रामभक्त और श्रद्धालु आहत हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि जांच सही ढंग से हो रही है और दोषी पकड़े जाएंगे। साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि घटना से उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी चोट पहुंची है, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में दिन-रात सेवा की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी और सरकार मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने त्वरित कार्रवाई और आठ-नौ लोगों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि जांच उचित दिशा में है और सभी को इसमें सहयोग करना चाहिए। साध्वी निरंजन ज्योति ने ट्रस्ट पर उठ रहे सवालों पर कहा कि जिन लोगों पर भरोसा किया गया था, उन्हीं कार्य में जुटे लोगों ने विश्वासघात किया। उन्होंने घटना पर अपनी हैरानी जताकर कहा कि 500 साल के लंबे संघर्ष के बाद, इसतरह का प्रकरण का एक-दो साल में ही सामने आना बिल्कुल सही नहीं है। अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर उन्होंने राजनीतिक टीका-टिप्पणी से बचने और जांच को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की।

अमरनाथ यात्रा : रजिस्ट्रेशन शुरू, पंजीकरण के लिए भक्तों का उमड़ा सैलाब

जम्मू (एजेंसी)। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर में तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इसी कड़ी में, बुधवार से जम्मू में यात्रियों के लिए मौके पर पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रक्रिया शुरू होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतारों में खड़े दिखे, जिससे यात्रा को लेकर उनका जबरदस्त उत्साह साफ दिखा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शुक्रवार को तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले है। भक्तों ने यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की सराहना की। एक उत्साहित तीर्थयात्री ने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे पहले बैच में मौका मिलेगा। मैं काफी समय से कोशिश कर रहा था। एक अन्य अनुभवी यात्री ने पिछली बार के मुकाबले इस बार की व्यवस्थाओं को और बेहतर बताया। कुछ श्रद्धालुओं ने पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड प्राप्त करने में थोड़ी प्रतीक्षा का अनुभव साझा किया, लेकिन उनका कहना था कि इसके बाद बाबा बर्फानी के दर्शन का विश्वास और सुकून मिल जाता है। इसी बीच, यात्रा का पहला जत्था रवाना होने से पहले श्रीनगर के ट्रांजिट कैंपों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी है। कई पहली बार यात्रा पर आए भक्त बेहद उत्साहित दिखे। एक महिला तीर्थयात्री ने अपनी आस्था व्यक्त कर कहा, मैं बाबा भोलेनाथ में आस्था लेकर आई हूं। उन्होंने हमें बुलाया है और वही दर्शन कराएंगे। उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की, बताते हुए कि कैंप में सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। गौरतलब है कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगी। यात्रा के लिए दो मुख्य मार्ग हैं पहलगाम मार्ग, जिसमें मंदिर तक पहुंचने में लगभग चार दिन लगते हैं, और बालटाल मार्ग, जो छोटा है और अक्सर उसी दिन वापसी की जा सकती है।

कोलकाता पुलिस ने 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाने पर लगाई पाबंदी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी ने बुधवार को कोलकाता पुलिस की ओर से 21 जुलाई को मध्य कोलकाता में निषेधाज्ञा लागू करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। टीएमसी का कहना है कि इस इलाके में पार्टी हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाती है। कोलकाता पुलिस ने जानकारी दी गई कि इस साल सीईएससी हाउस के सामने शहीद दिवस मनाने की इजाजात नहीं दी जाएगी। कोलकाता पुलिस की ओर से उस इलाके में धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत एक ही समय और जगह पर तय संख्या से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। टीएमसी के बागी नेताओं की ओर से कोलकाता पुलिस के इस फैसले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन टीएमसी नेताओं ने कहा है कि वे इस मामले को कानूनी और राजनीतिक स्तर पर उठाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के चार बार लोकसभा सांसद रहे कल्याण बनर्जी का कहना है कि पूरे इलाके में धारा 163 लागू करना और वह भी दो महीने के लिए गैर-कानूनी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएम सुवेंदु अधिकारी लोगों के लोकतांत्रिक रूप से इकट्ठा होने और संगठित विरोध प्रदर्शनों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि हम इस आदेश के खिलाफ निश्चित रूप से कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हम केस दायर करेंगे। हम कानूनी और राजनीतिक, दोनों तरह से इसका मुकाबला करेंगे। हमें देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि लोगों के लोकतांत्रिक आंदोलन को इस तरह नहीं रोका जा सकता।

सोनम वांगचुक की सेहत बिगड़ने पर दीपके ने केंद्र पर साधा निशाना

-प्रधानमंत्री विदेश यात्राओं में व्यस्त इन मुद्दों के लिए समय नहीं

-जंतर-मंतर पर जारी भूख हड़ताल के बीच शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, लेकिन उनकी मांगों को लेकर उनका संकल्प पहले की तरह मजबूत बना हुआ है। दीपके ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री तो विदेश यात्राओं में व्यस्त हैं, उनके पास इन मुद्दों के लिए समय ही नहीं है।

अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि सोनम वांगचुक की तबीयत हर घंटे बिगड़ रही है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इससे पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया था कि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का वजन लगभग दो किलोग्राम कम हो गया है तथा उनका रक्तचाप लगातार गिर रहा है।

सीजेपी पिछले 12 दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी की प्रमुख मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें पद से हटाया जाए। साथ ही परीक्षा प्रणाली में हुई कथित अनियमितताओं की जवाबदेही तय करने की भी मांग की जा रही है। इन्हीं मांगों के समर्थन में सोनम वांगचुक ने रविवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान अभिजीत दीपके से पूछा गया कि विरोध प्रदर्शन के बीच देश में दो अन्य परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस पर उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास इन मुद्दों के लिए समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकताएं अलग हैं और छात्रों की परीक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

मसूरी में अवैध निमार्णों पर एमडीडीए का कड़ा प्रहारः सुवाखोली और पिक्कर पैलेस मार्ग पर दो भवन सील

आरव शर्मा

मसूरी/देहरादून (शिखर समाचार। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध निमार्णों के खिलाफ अपना शिकंजा कस दिया है। बुधवार को प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने मसूरी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध रूप से बनाए जा रहे भवनों को सील कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मच गया है। एमडीडीए ने कड़ा संदेश दिया है कि विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना या स्वीकृत मानचित्र (नक्शे) को ताक पर रखकर किए जाने वाले निर्माण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

मुख्य बिंदुः

- **स्वीकृत नक्शे के विपरीत और बिना अनुमति हो रहे निमार्णों पर प्राधिकरण की सख्ती।**
- **उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी की दो टूकः कानून से ऊपर कोई नहीं, जारी रहेगी कार्रवाई।**
- **पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ सीलिंग अभियान।**

एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने सबसे पहले चम्बा-टिहरी मोटर मार्ग स्थित सुवाखोली क्षेत्र में दबिश दी। यहां विनोद बिष्ट द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कार्य कराया जा रहा था। मौके पर किए गए निरीक्षण में कई अनियमितताएं और भवन उपविधियों का खुला उल्लंघन पाया गया। इसके बाद प्राधिकरण की टीम ने त्वरित कदम उठाते हुए भवन को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया।

सुवाखोली में कार्रवाई के बाद टीम मसूरी के किंगरेट पिक्कर पैलेस मार्ग पहुंची। यहां सुसमा जैसवाल द्वारा अवैध निर्माण कराया जा रहा था। जांच में यह निर्माण कार्य भी पूरी तरह से नियमों के विरुद्ध पाया गया, जिसके बाद टीम ने इस भवन पर भी सीलिंग की कार्रवाई कर दी। किसी भी संभावित विरोध को देखते हुए दोनों स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी।

इस बड़ी कार्रवाई को लेकर एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में नियोजित एवं सुरक्षित विकास सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना स्वीकृति या नक्शे के विपरीत किए गए निर्माण केवल नियमों का उल्लंघन नहीं हैं, बल्कि यह भविष्य में जनसुरक्षा और शहरी व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी यह प्रवर्तन अभियान पूरी पारदर्शिता और सख्ती के साथ जारी रहेगा तथा अनियमितता मिलने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी।

वहीं, प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक स्वीकृतियां अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करने से अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकता है और मसूरी जैसे संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्र का सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित होगा। एमडीडीए लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रहा है और शिकायत मिलने पर तुरंत जांच की जा रही है।

इस पूरे सीलिंग अभियान को सहायक अभियंता अजय मलिक, अवर अभियंता अनुराग नौटियाल, सुपरवाइजर और पुलिस बल की टीम ने नियमानुसार पूरा किया। प्राधिकरण ने साफ कर दिया है कि प्रवर्तन दल की यह गश्त और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

मणिपुर सीमा पर टेंशन, नागा नाकाबंदी के खिलाफ सड़क पर उतरे कुकी

सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला

इंफाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत में शांति की स्थापना की राह अभी भी चुनौतियों से भरी दिख रही है। मणिपुर में हालिया हिंसा की घटनाओं के बाद अब एक बार फिर हालात संवेदनशील हो गए हैं। इस बार तनाव का केंद्र नागा संगठनों द्वारा जारी आर्थिक नाकाबंदी और उसके खिलाफ कुकी समुदाय का तीखा विरोध है। इम्फाल वेस्ट और कांगपोकपी जिले की सीमा पर मंगलवार को उस समय स्थिति गरमा गई जब लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी नाकाबंदी के विरोध में मार्च निकालते हुए आगे बढ़ने लगे। हालांकि, सुरक्षाबलों ने समय रहते उन्हें रोक लिया और किसी भी बड़ी झड़प को टालते हुए हालात को बिगड़ने से बचा लिया। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मणिपुर में जातीय तनाव अभी भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और किसी भी छोटी चिंगारी से एक बार फिर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक, कांगपोकपी जिले के मोटबुंग और गामगिफाई इलाके से लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी गामगिफाई में एकत्र हुए और इम्फाल वेस्ट के कांगलाटोंगबी क्षेत्र के नामदिलोंग की ओर मार्च करने लगे। उनका मुख्य आरोप था कि नागा संगठनों की लगातार जारी आर्थिक नाकाबंदी से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रदर्शनकारी नेशनल हाईवे पर सामान्य आवाजाही बहाल करने और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को गामगिफाई से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी और स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया। हालांकि किसी बड़े टकराव की खबर नहीं है, लेकिन पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है और प्रशासन लगातार दोनों पक्षों की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

पिछले कई हफ्तों से नागा सिविल सोसायटी संगठनों द्वारा एनएच-2 पर विरोध प्रदर्शन और आर्थिक नाकाबंदी जारी है। यह आंदोलन विशेष रूप से छह नागा नागरिकों की हत्या के विरोध में किया जा रहा है। बीते सप्ताह भी उस समय झड़प हुई थी, जब सुरक्षा बलों ने कुकी नागरिकों को सुरक्षा के घेरे में इस मार्ग से निकालने की कोशिश की थी, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। कुकी-जो संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने शनिवार आधी रात से केंद्र और मणिपुर सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। संगठन ने मांग की थी कि कांगपोकपी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय और अंतरराज्यीय राजमार्गों पर आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाए। चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो विरोध प्रदर्शन और तेज किए जा सकते हैं।

दवाओं की भी आपूर्ति हुई ठप

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे विवाद की जड़ उन छह नागा नागरिकों की हत्या है, जिनके लिए न्याय की मांग करते हुए नागा संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर व्यापक आर्थिक नाकाबंदी कर रखी है। इस नाकाबंदी से कांगपोकपी जिले में आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और रोजमर्रा की चीजों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है, जिससे कुकी समुदाय में भारी नाराजगी है। इसी नाराजगी के चलते कुकी समुदाय के लोगों ने इस प्रदर्शन का निर्णय लिया। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा क्षेत्र में पहले से ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात थे।

डीएमके का 100 करोड़ का मानहानि केस वापस : अन्नामलाई ने कहा, अपने हर आरोप पर कायम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को अहम मोड़ आया, जब भाजपा के पूर्व नेता के. अन्नामलाई ने दावा किया कि डीएमके सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस लिया है। इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए अपने सभी भ्रष्टाचार के आरोपों पर आज पूरी तरह कायम हैं।

यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित डीएमके फाइल्स कैंपेन से जुड़ा है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं, विशेषकर टी.आर.बालू और उनके परिवार की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। अन्नामलाई ने हुए बताया कि बालू ने डीएमके फाइल्स के माध्यम से उनके और उनके परिवार की संपत्ति व कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए यह मानहानि का केस दायर किया था।

अन्नामलाई ने बताया कि सुनवाई के दौरान उन्होंने खुद मामले में पैरवी की और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने आरोप लगाया कि जिरह के दौरान बालू ने अदालत में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके जवाब में उन्हें डीएमके सांसद के खिलाफ एक अलग मामला दायर करना पड़ा था। अन्नामलाई ने कहा, आज, थिरु टी.आर. बालू ने अपनी मर्जी से मेरे खिलाफ दायर मानहानि का केस वापस लेने का फैसला किया।

भाजपा के पूर्व नेता ने स्पष्ट किया कि केस वापस लेना बालू का अपना निर्णय था, लेकिन वे पिछली डीएमके सरकार और पार्टी के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई हर एक टिप्पणी पर अडिग हैं। उन्होंने अपनी कानूनी टीम और समर्थन देने वाले वकीलों को धन्यवाद देकर पोस्ट का समापन सत्य की हमेशा जीत होती है! के कथन के साथ किया। यह घटनाक्रम अन्नामलाई द्वारा हाल ही में घोषित वी द लीडर्स आंदोलन के राजनीतिक पार्टी में बदलने की तैयारी के बीच आया है, जिसका लक्ष्य जुलाई तक 50 लाख सदस्य जोड़कर तमिलनाडु में गवर्नेंस, भ्रष्टाचार और ड्रग्स की बढ़ती समस्या जैसे मुद्दों पर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प प्रदान करना है।

मंगलुरु में बारिश में मकान पर गिरा मलबा, दो बच्चियों समेत तीन की मौत

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में बारिश में एक मकान ऊंचाई से गिरे मलबे में दब गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। तीन घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि वे खतरे से बाहर हैं। मंगलुरु के नागोरी में कंकनाडी पुलिस स्टेशन के पीछे यह घटना सुबह करीब 4.30 बजे हुई जब ऊंचाई पर बने एक घर की कंपाउंड वॉल चार अलग-अलग इमारत पर गिर गई। एक घर का पिछला हिस्सा पूरी तरह से ढह गया। इससे मकान में रहने वाले लोग अंदर फंस गए। घटना के तुरंत बाद लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे। आपातकालीन कर्मियों ने एक पुरुष और दो लड़कियों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, मलबे के नीचे फंसी एक महिला और दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव अभियान के बाद उनके शव बरामद किए गए।

रात भर हुई मूसलाधार बारिश से मुंबई में कई सड़कें जाम, पेड़ गिरने से छात्र की मौत

-भारी जलजमाव के चलते अंधेरी सबवे पर यातायात बंद, कई जिलों में अलर्ट जारी

गांधीनगर (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई और उसके उपनगरीय इलाकों में रात भर हुई मूसलाधार बारिश से आर्थिक राजधानी के पहिये धीमे हो गए। भारी जलजमाव के कारण अंधेरी सबवे को एहतियातन यातायात के लिए बंद करना पड़ा। रात भर हुई भारी बारिश से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है और लोगों ने एक्स पर ट्रैफिक में देरी की जानकारी दी है। प्रभावित इलाकों में ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। भारी बारिश के बाद सोमवार और मंगलवार को भी अंधेरी सबवे में पानी भर गया था। हालांकि दिन में पानी कम हो गया था, लेकिन रात में फिर से हुई बारिश के कारण दोबारा पानी भर गया, जिससे अधिकारियों को पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले इस अहम रास्ते को फिर से बंद करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मानसून की बारिश ने मुंबई और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में ज़ोरदार दस्तक दी, जिससे बड़े पैमाने पर अव्यवस्था और ट्रैफिक में रुकावटें आईं और उपनगरों में एक दुखद घटना भी हुई। पश्चिमी उपनगरों में कई जगहों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं, जिससे सड़कें बुरी तरह जाम हो गईं। डीएन नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक पेड़ उखड़कर गिर गया, जिससे एक बस को नुकसान पहुंचा और आसपास की चीजें कुचल गईं, जिससे लोकल ट्रैफिक रुक गया।

ईस्टर्न फ्रीवे पर कम विजिबिलिटी और फिसलन भरी सड़कों के कारण मंगलवार सुबह दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। अंधेरी में स्वामी विवेकानंद रोड पर भी एक बड़ा पेड़ गिर गया। पेड़ काटने वाली मशीनों के साथ नगर निगम के कर्मचारियों को तैनात किया। कम विजिबिलिटी और धीमी गति से ट्रैफिक चलता रहा क्योंकि मुंबई में ज़ोरदार बारिश हो रही थी। फ्रीवे पर दो गाड़ियों की टक्कर हो गई, जिससे और देरी हुई; दुर्घटना में घायल लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई और उसके आसपास के उपनगरों में लगातार भारी बारिश और बीच-बीच में आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की है और नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और कमज़ोर ढांचों और घने पेड़ों वाले इलाकों से दूर रहें। इस बीच, चेंबूर में एक स्कूल बस पर बड़ा पेड़ गिरने से 11 साल के छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। भारी बारिश और तेज़ हवाओं ने मुंबई में तबाही मचाई।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि फिलहाल भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना कम है और इस इलाके के लिए चेतावनी का स्तर बढ़ा दिया है। कोंकण क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि तट पर लगातार भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है। पुणे ज़िले के

लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर तेज़ बारिश हो रही है और छोटे-मोटे भूस्खलन का खतरा है और पुणे शहर के लिए येलो अलर्ट क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश लगातार हो रही है।

प्रताप विहार ईडब्ल्यूएस लॉटरी संपन्न, 477 परिवारों का 'अपने घर' का सपना साकार

जीडीए की पारदर्शी लॉटरी से खिले चेहरे, लाभार्थियों ने जताया पीएम-सीएम का आभार

आरव शर्मा
गाजियाबाद (1शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत प्रताप विहार योजना के 477 ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) भवनों का लॉटरी ड्रॉ सफलतापूर्वक संपन्न कराया। लोहिया नगर स्थित हिन्दी भवन में सुबह 11 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में 477 मुख्य भवनों के साथ-साथ 47 प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) के लिए भी लॉटरी निकाली गई। पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से हुए इस ड्रॉ के बाद उन सैकड़ों परिवारों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई, जो बरसों से अपने आशियाने का सपना देख रहे थे।

अधिकारियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से निकली पर्चियां

यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष और तय नियमों के अनुसार संपन्न कराई गई। मौके पर अपर जिलाधिकारी (नगर) गाजियाबाद, अपर सचिव (जीडीए), वित्त नियंत्रक, विशेष कार्याधिकारी और डूडा के परियोजना अधिकारी मौजूद रहे। इन वरिष्ठ अधिकारियों और बड़ी संख्या में मौजूद आवेदकों की प्रत्यक्ष मौजूदगी में ड्रॉ निकाला गया। प्राधिकरण ने यह सुनिश्चित किया कि हर पात्र आवेदक को समान अवसर मिले और आवंटन प्रक्रिया में पूरी जवाबदेही बरती जाए।

खुशी से झूम उठे लाभार्थी, छलके आंसू

लॉटरी ड्रॉ के दौरान हिन्दी भवन का खचाखच भरा सभागार उत्साह और उम्मीदों से लबरेज था। जैसे-जैसे अधिकारियों द्वारा चयनित लाभार्थियों के नामों की घोषणा की जा रही थी, वैसे-वैसे हॉल में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। जिनका नाम आवंटन सूची में आया, वे खुशी से झूम उठे। कई लाभार्थियों ने भावुक होते हुए इसे अपने जीवन का सबसे यादगार और बड़ा दिन बताया। सालों से किराए के मकानों में रह रहे इन परिवारों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके अपने घर के उस सपने को सच कर दिया है, जिसे वे केवल संजोए बैठे थे।

नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ का जताया आभार

अपने खुद के घर का सपना सच होने पर लाभार्थियों ने केंद्र और राज्य सरकार की इस योजना की मुक्तकंठ से सराहना की। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना को गरीबों के लिए बड़ा वरदान बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में चल रही इस जनकल्याणकारी योजना का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही, इतने बड़े स्तर पर पूरी आवंटन प्रक्रिया को बिना किसी विवाद के, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से पूरा कराने के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को भी धन्यवाद दिया।

किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए जीडीए प्रतिबद्ध

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि वह आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के परिवारों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। प्राधिकरण आगे भी सरकार की जनहितकारी योजनाओं का इसी तरह प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से क्रियान्वयन करता रहेगा ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का सीधा लाभ पहुंच सके।

भाजपा के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर का गाजियाबाद में भव्य स्वागत, 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों का किया आह्वान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर के प्रथम गाजियाबाद आगमन पर महानगर भाजपा ने महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में एनएच-24 स्थित इनमैनटेक कॉलेज के सामने भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक शामिल हुए तथा स्वागत के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। स्वागत समारोह के दौरान कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा कर क्षेत्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से पहुंचे भाजपा कार्यकताओं ने संगठन के पक्ष में नारे लगाए। इस दौरान एक जेसीबी पर सवार होकर भी कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा की, जिसने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाब सिंह नागर ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों को पहुंचाने का कार्य करेगा। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि नवाब सिंह नागर के नेतृत्व में पश्चिम उत्तर प्रदेश में संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और जनसंपर्क अभियान को और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी सक्रियता से योगदान देंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल एवं मोर्चा पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के भी समुचित प्रबंध किए गए।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीएम एसपी ने लिया जायजा, व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी श्रावण मास में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बुधवार को जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण कर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि कांवड़ मार्गों पर जहां कहीं भी सड़कें क्षतिग्रस्त हैं या गड्ढे शेष हैं, उनकी मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूरा कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मार्गों पर साफ सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय रहते सुनिश्चित कर ली जाएं। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बिजली के खंभों पर झूल रहे तारों को तत्काल ठीक कराया जाए। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सभी विद्युत खंभों के निचले हिस्से को अस्थायी रूप से काले रंग की पॉलिथीन से ढकने की व्यवस्था की जाए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा यातायात व्यवस्था को इस प्रकार संचालित किया जाए कि श्रद्धालुओं और आम नागरिकों दोनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से आपसी समन्वय बनाकर समयबद्ध ढंग से तैयारियां पूरी करने को कहा।

पात्र आवेदनकताओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डीएम रविन्द्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने तथा जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में निरंतर प्राप्त होने वाली शिकायतों, समस्याओं और निवेदनों के निस्तारण एवं निवारण के क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ द्वारा आवश्यक दिशा- निर्देशित दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा जनपद में दिव्यांगजनों का चिन्हिकरण करते हुए उन्हें पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-वाईकिल सहित संचालित योजनाओं का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने विरासत के आधार पर आवेदित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाने हेतु निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने अलग-अलग क्षेत्र से प्राप्त हो रही भूमि पर अवैध कब्जों की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, जिसके क्रम में जिलाधिकारी और कमिश्नर ने संयुक्त टीम गठित करते हुए भूमि को अवैध रूप से कब्जाधारियों/भूमाफियाओं से निजात दिलाने के लिए अभियान के तहत कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारी यूपीनेड़ा सहित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनकल्याण, पर्यावरण हित में चलाई जा रही पीएम सूर्य घर योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएं और प्रत्येक परिवार को इस योजना से आच्छांदित करने का हर सम्भव प्रयास किया जाएं। इस योजना के तहत लोगों को केन्द्र व राज्य सरकार से सब्सिडी भी प्राप्त होगी। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि आरटीई के तहत दाखिलों में किसी भी प्रकार की कोताही, लापरवाही या अनदेखी ना बरती जाए, पात्र आवेदन कर्ता को शत प्रतिशत लाभ दिलाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, अतः कोई भी पात्र लाभार्थी जिसने आवेदन किया हो वह छूटना नहीं चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त कार्य युद्ध स्तर पर किये जाएं, उक्त से सम्बंधित किसी भी व्यक्ति को असुविधा का सामना ना करना पड़ें। ऐसा कोई भी कार्य बर्दाश्त नहीं किया जायेगा जिससे सरकार की छवि धूमिल हो। अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएं। जनता का उत्पीड़न किसी भी रूप में क्षमा योग्य नहीं है। जनता दर्शन के दौरान एडीएम ई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केमिस्ट एसोसिएशन ने नवनियुक्त व स्थानांतरित औषधि निरीक्षकों का किया सम्मान

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर के भोपा रोड स्थित एक होटल में केमिस्ट एसोसिएशन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर नवनियुक्त औषधि निरीक्षक देशबंधु विमल तथा शामली स्थानांतरित हुए औषधि निरीक्षक पवन शाक्य का सम्मान किया गया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने औषधि व्यवसाय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। एसोसिएशन के जिला महामंत्री अक्षय मित्तल ने कहा कि जनपद में औषधि विभाग और दवा व्यापारियों के बीच हमेशा बेहतर समन्वय और सकारात्मक संबंध रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देशबंधु विमल के मार्गदर्शन में यह सहयोग और अधिक मजबूत होगा। कार्यक्रम में दवा व्यापारियों ने शामली स्थानांतरित हुए औषधि निरीक्षक पवन शाक्य को सम्मानित करते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की तथा नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पारस्परिक संवाद हुआ। इस अवसर पर केमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष कमलजीत सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश जुनेजा, संरक्षक योगेश मदान, चेयरमैन विजेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष बिंदल, महामंत्री अमित चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी और दवा व्यापारी उपस्थित रहे।

दीपक गोयल बने लायंस क्लब हापुड़ ग्रेटर के सचिव, सुधीर गुप्ता संभालेंगे अध्यक्ष पद

हापुड़ (शिखर समाचार)। लायंस क्लब हापुड़ ग्रेटर ने लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 के समापन पर रेलवे रोड स्थित गोल्डन ट्यूलिप होटल में भव्य पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लायन नवनीत अग्रवाल उपस्थित रहे, जिनका क्लब की ओर से माला पहनाकर एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह के दौरान वर्ष 2026-27 के लिए क्लब की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें सुधीर गुप्ता को अध्यक्ष, दीपक गोयल को सचिव तथा सचिन गर्ग को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों का सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आगामी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आदित्य गुप्ता ने क्लब के अनुज मित्तल और अनुज गोयल को डिस्ट्रिक्ट कमेटी चेयरपर्सन नियुक्त किए जाने की घोषणा की। इससे क्लब के सदस्यों में उत्साह का माहौल रहा। समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विजय वर्मा और लवलीन गुप्ता को सम्मानित किया गया। वहीं, सफल बैठक संचालन में सहयोग देने वाली तीनों लायन लेडीज को भी सम्मान प्रदान किया गया। पारिवारिक मिलन समारोह के दौरान बच्चों और बड़ों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मियावाकी पद्धति : मिलिट्री ग्राउंड पर बनेगा मिनी सिटी फॉरेस्ट, गाजियाबाद नगर निगम ने शुरू किया प्लांटेशन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वन महोत्सव के तहत गाजियाबाद नगर निगम ने 1 जुलाई से लेकर 7 जुलाई तक प्लांटेशन अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत बड़ी तादाद में गाजियाबाद नगर निगम प्लांटेशन का कार्य करेगा। थाना विजयनगर क्षेत्र में मिलिट्री ग्राउंड की जमीन पर नगर निगम ने बुधवार से प्लांटेशन का कार्य शुरू कर दिया है। इस कार्य के तहत वहां पर मिनी सिटी फॉरेस्ट डेवलप किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों के साथ मिलकर की। अभियान के तहत नगर निगम की टीम 9 एकड़ भूमि पर एक लाख से अधिक पौधे लगेंगे। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम विजयनगर क्षेत्र में विशेष रूप से विकास कार्य करवा रहा है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए भी बड़े स्तर पर कार्य चल रहे है, जिसमें आर्मी लैंड की 48 एकड़ भूमि पर 6 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। 9 एकड़ भूमि पर एक लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम अब तक लगभग 17 स्थान पर गंदगी हटाकर प्लांटेशन का कार्य कर चूका है। मियावकी पद्धति से 388961 पौधों को रोपित करते हुए सफलतापूर्वक वृक्ष बना जा चूका है। हर्ष इंडस्ट्रियल एरिया मोहन नगर, पाइप मार्केट साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, राजेंद्र नगर इंडस्ट्रियल एरिया मोहन नगर, साउथ साइड इंडस्ट्रियल एरिया विजयनगर, सिद्धार्थ विहार विजय नगर, रक्षा राइफल आर्मी ग्राउंड विजय नगर, रईसपुर कविनगर, लोहा मंडी पुलिस स्टेशन कवि नगर, बुलंदशहर इंडस्ट्रियल एरिया कवि नगर, महर्षि दयानंद पार्क, इंदिरापुरम कनवानी ब्रिज एरिया, साइन उपवन में गंदगी हटाकर पौधे लगाए गए है, जोकि जनहित में पर्यावरण सुधार का कार्य कर रहे है' एक पेड़ मां के नाम मुहिम के अंतर्गत वन महोत्सव के क्रम में पौधारोपण सभी वार्डों में प्रारंभ हुआ है, जिसमें विजयनगर में बृहद प्लांटेशन किया जा रहा है। पौधों को वृक्ष बनाकर निगम शहर की वायु गुणवत्ता सुधार का प्रयास कर रहा है। प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम ने शासन के लक्ष्य की पूर्ति के क्रम में प्लांटेशन किया जाएगा, जिसकी शुरूआत आज की गई है। इसके अलावा भी आर्मी लैंड तथा निगम की रिक्त भूमि, सेंट्रल वर्ज, पार्को में प्लांटेशन किया जाएगा, वन महोत्सव एक सप्ताह चलेगा जिसमें शहर को वृहद प्लांटेशन के लिए भी जागरूक किया जाएगा। फलदार छायादार पौधे लगाए जाएंगे, मौके पर महापौर तथा नगर आयुक्त ने मालियों को भी सम्मानित किया है।

ऑपरेशन प्रहारः क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने नशीले पाउडर का तस्कर दबोचा, 121 ग्राम अल्प्राजोलम बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस को नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध नशीले पाउडर की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 121 ग्राम अवैध नशीला पाउडर अल्प्राजोलम तथा उसकी बिक्री से प्राप्त 1150 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है। वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चला रही थी। इसी दौरान बीआर इंटरनेशनल स्कूल के पीछे स्थित खाली मैदान से एक संदिग्ध युवक को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 121 ग्राम अल्प्राजोलम पाउडर और 1,'150 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ के बाद आरोपी की पहचान ओम सिंह उर्फ चोचू उम्र 22 वर्ष निवासी पार्वती वाली गली 20 फुट रोड सिद्धार्थ विहार के रूप में हुई। पुलिस इसके सप्लाई नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की तलाश में जुट गई है। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट और अन्य मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, थाना विजयनगर और गौतमबुद्ध नगर के थाना बिसरख में पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली से सस्ते दामों पर नशीला पाउडर लाता था और किराये के मकान में रहकर उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर सिद्धार्थ विहार व आसपास के क्षेत्रों में अधिक कीमत पर बेचता था। इस अवैध कारोबार से वह अच्छा मुनाफा कमाता था।

होटल में घुसकर दंपति से मारपीट व अभद्रता का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर आबूपुर के निकट स्थित एक होटल में ठहरे दंपति के साथ कुछ लोगों द्वारा मारपीट और महिला के साथ अभद्रता किए जाने का मामला सामने आया है। होटल संचालक ने निवाड़ी थाने में शिकायत देकर आरोपियों पर होटल में तोड़फोड़, हंगामा करने और रंगदारी मांगने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, पारिवारिक विवाद के चलते एक दंपति होटल में कमरा लेकर ठहरा हुआ था। मंगलवार शाम करीब एक दर्जन से अधिक लोग होटल पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने स्वयं को बजरंग दल से जुड़ा बताते हुए होटल में घुसकर हंगामा किया और दंपति के कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। इसके बाद कमरे में घुसकर पति के साथ मारपीट की गई तथा उसकी पत्नी के साथ अभद्रता की गई। आरोप है कि हमलावर पति का मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड भी अपने साथ ले गए। होटल में ठहरे एक अन्य युवक के साथ भी मारपीट किए जाने की बात सामने आई है। होटल संचालक कपिल कुमार ने निवाड़ी थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी भास्कर वर्मा ने बताया कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन शस्त्र अभियान में अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। अपराध की रोकथाम और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन शस्त्र अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे और एक कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार ग्राम सेना स्थित कब्रिस्तान के पास चेकिंग के दौरान फैजान पुत्र शकील निवासी ग्राम सेना, थाना सिम्भावली को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध थाना सिम्भावली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मनोहर लाल, उपनिरीक्षक सोनू कुमार, उपनिरीक्षक मुकेश कुमार, कांस्टेबल दिनेश कुमार तथा कांस्टेबल सुनील देव शामिल रहे।

जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में पियूष का शानदार प्रदर्शन, यूपी स्टेट शूटिंग में शामली के निशानेबाजों ने जीते पदक

शामली (शिखर समाचार)। जर्मनी में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में शामली राइफल क्लब के निशानेबाज पियूष शर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 629.2 अंक हासिल कर फाइनल में स्थान बनाया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने 16वें शॉट तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन शूट-ऑफ में मामूली अंतर से चौथे स्थान पर रह गए। उनके प्रदर्शन की खेल जगत में सराहना हो रही है। उधर, नई दिल्ली में आयोजित 49वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में भी शामली राइफल क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत एवं टीम स्पधाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर जनपद का गौरव बढ़ाया। बुधवार को जिलाधिकारी आलोक यादव ने कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और अनुशासन से जनपद का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हो रहा है। साथ ही भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

वंचित बस्ती में पहुंचकर प्रधानाध्यापक ने जगाई शिक्षा की अलख

शामली (शिखर समाचार)। प्राथमिक विद्यालय बदलूगढ़ के प्रधानाध्यापक राकेश सैनी ने विद्यालय के आसपास स्थित वंचित बस्तियों में घर-घर पहुंचकर अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों, विशेषकर बेटियों को विद्यालय भेजने का आह्वान करते हुए शिक्षा को उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव बताया। जागरूकता अभियान के दौरान कई परिवारों ने बिजली, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव की जानकारी भी प्रधानाध्यापक को दी। उन्होंने अभिभावकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। राकेश सैनी ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के बेहतर भविष्य के साथ-साथ समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों का सरकारी विद्यालय में नामांकन कराने और नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। अभियान का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला और कई अभिभावकों ने अपने बच्चों का प्राथमिक विद्यालय बदलूगढ़ में नामांकन कराने का भरोसा दिलाया।

संक्षिप्त समाचार

लेखपाल के खाते से 4.62 लाख उड़ाए

गोरखपुर एजेंसी। साइबर ठगों ने जंगल धूषण निवासी लेखपाल रमेश कुमार के व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर 4,62,191 रुपये पार कर दिए। पीड़ित द्वारा एनसीआरपी पर शिकायत करने के बाद पुलिस ने आईटी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जंगल धूषण निवासी रमेश कुमार लेखपाल हैं। उन्होंने पुलिस को दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि उनके भारतीय स्टेट बैंक के खाते से साइबर ठगों ने 4,62,191 रुपये की अवैध निकासी कर ली। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले उनके वाट्सएप पर एक एपीके फाइल का लिंक भेजा गया था। लिंक खोलते ही मोबाइल फोन हैक हो गया और जालसाजों ने बैंक खाते तक पहुंच बनाकर पूरी वारदात को अंजाम दे दिया। इंस्पेक्टर क्राइम अवधेश तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

भगवान जगन्नाथ का हुआ जलाभिषेक

गोरखपुर एजेंसी। भगवान जगन्नाथ की परंपरागत रथ यात्रा असुरन चौक स्थित विष्णु मंदिर से 16 जुलाई से शुरू होगी। इसको लेकर सोमवार को भगवान जगन्नाथ का जलाभिषेक से किया गया। इसमें बड़े ही आस्था के साथ भगवान जगन्नाथ को वैदिक मंत्रोचारण के बीच जल से स्नान कराया गया। मानस उत्थान समिति की ओर से किए जा रहे आयोजन में सोमवार को सुबह लगभग 10 बजे के आसपास अनुष्ठान को शुरू किया गया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ को स्नान कराया गया। वैदिक मंत्रोंचार पुरोहितों के इस दौरान गूंज रहे थे। इसके बाद नए वस्त्र धारण कराया गया। भगवान को बड़े ही आस्था भाव से पूजा-अर्चना कर भोग लगाया गया। मानस उत्थान समिति के अध्यक्ष राधेश्याम ने बताया कि भगवान को अब प्रतिदिन काढ़ा सेवन कराया जाएगा। इसके बाद आगामी 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। इसमें भगवान जगन्नाथ ,बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमा रहेगी।

राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप में शहर के खिलाड़ियों ने बिखेरा जलवा

कानपुर एजेंसी। उत्तराखंड के रुड़की की सीओईआर यूनिवर्सिटी में 26 से 28 जून तक हुई नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में शहर के खिलाड़ियों ने जलवा बिखेरा। उन्होंने बेहतर प्रदर्शन कर तीन कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।उत्तर प्रदेश टीम की ओर से खेलते हुए गुनिका रतन, दिव्यांशी और आकृत बाजपेई ने उत्कृष्ट योगासन प्रदर्शन के दम पर कांस्य पदक जीत कानपुर और प्रदेश का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता में दीक्षा गुप्ता और विक्रांत सिंह ने नेशनल जज एवं उत्तर प्रदेश टीम के कोच की जिम्मेदारी निभाई। समापन समारोह में इंटरनेशनल प्रेसिडेंट शिवम भदौरिया, टेक्निकल डायरेक्टर रितु भदौरिया, नेशनल प्रेजिडेंट अंशु सरकार तथा उत्तर प्रदेश के नेशनल जनरल सेक्रेटरी विनय कुमार श्रीवास्तव ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया। दीक्षा गुप्ता और विक्रांत सिंह ने कहा कि शहर के खिलाड़ियों में आगामी थाईलैंड में आयोजित होने वाले एशियाई पैसिफिक योगासन खेलों में भारत के लिए पदक जीतने की पूरी क्षमता है।

पूर्व निदेशक ने पेड़ों की कटाई का मामला सुरक्षा प्रभारी पर डाला

कानपुरएजेंसी। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) परिसर में 722 हरे पेड़ों की अवैध कटाई के मामले में पूर्व निदेशक ने पूरा ठीकरा सुरक्षा प्रभारी पर फोड़ दिया है। सूत्रों के अनुसार वन विभाग को दिए गए बयान में उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल कुछ पेड़ काटने के निर्देश दिए थे लेकिन इतनी बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने की जानकारी उन्हें नहीं थी। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा प्रभारी को जिम्मेदार बताया है। मामले में कल्याणपुर थाने में एफआईआर दर्ज है जबकि वन विभाग ने भी अलग से प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर रखी है। जांच अधिकारी एसडीओ आशीष जैन हैं। वहीं सुरक्षा प्रभारी ने भी वन विभाग में अपने बयान दर्ज कराए हैं। जांच टीम की ओर से जब्त अभिलेखों के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है। दो नोटिस जारी होने के बाद एनएसआई के अधिकारियों ने भी वन विभाग के समक्ष बयान दर्ज कराने शुरू कर दिए हैं।

फ्रंट ऑफिस व्यवस्था के खिलाफ वकीलों ने निकाला पैदल मार्च

अलीगढ़ , एजेंसी। उप निबंधक कार्यालय में लागू की जा रही फ्रंट ऑफिस व्यवस्था के विरोध में सोमवार को अतरौली में वकील सड़कों पर उतर आए। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। तहसील से शुरू हुआ पैदल और बाइक मार्च अवंतीबाई चौराहे तक पहुंचा, जहां सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।मार्च के दौरान वकीलों के हाथों में तख्तियां थीं और जुबान पर फ्रंट ऑफिस व्यवस्था मुर्दाबाद, वकील एकता जिंदाबाद के नारे थे। चेतावनी दी कि सरकार ने जल्द इस व्यवस्था को वापस नहीं लिया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। न्यायालय कार्य के बहिष्कार समेत बड़े कदम उठाए जाएंगे। प्रदर्शन में बार के पूर्व अध्यक्ष चौधरी शिव सिंह, राकेश यादव, सौरभ सक्सेना, नीलिमा पाठक, अमित शर्मा, विश्वेंद्र कुमार, श्रीपाल राजपूत, किशन राजपूत आदि थे।

एलडीए की लापरवाही से अभी खड़ी है 15 लोगों की जान लेने वाली बिल्डिंग

लखनऊ, एजेंसी। अलीगंज की जिस अवैध बिल्डिंग में आग लगने से 15 लोगों की जान गई, उस पर अब तक बुलडोजर चल चुका होता, मगर एलडीए के जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण अभी ऐसा नहीं हो पाया है। इसके लिए इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि 10 साल पहले इसी बिल्डिंग का ध्वस्तीकरण आदेश एलडीए ने खुद ही निरस्त कर दिया था।

ऐसे में एक तरह से एलडीए ने बिल्डिंग को वैध कर दिया गया था। इसी कारण एलडीए अभी तक ध्वस्तीकरण का आदेश जारी नहीं कर पाया है। जो नोटिस 23 जून को एलडीए की ओर से जारी हुआ था, वह अभी अवैध निर्माण पर कारण बताओ नोटिस भर है। इस पर सुनवाई होने के बाद ही एलडीए ध्वस्तीकरण का आदेश जारी कर पाएगा। भवन निर्माण उपविधि के नियमों के तहत अवैध निर्माण की शिकायत पर एलडीए पहले धारा 27(1) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी करता है और विहित न्यायालय में वाद दायर करता है। इसमें 15 दिन का मौका सुनवाई के लिए देता है। सुनवाई के बाद एलडीए ध्वस्तीकरण का आदेश जारी करता है।

जिन मामलों में यह नोटिस पहले से जारी रहता है, उसमें अवैध निर्माण को ध्वस्त करने से पहले सुनवाई का मौका देने की बाध्यता नहीं रहती। जानकारों ने बताया कि चूंकि एलडीए अलीगंज सेक्टर-डी में भवन संख्या 102 की बिल्डिंग को एक बार वैध करार दे चुका है, ऐसे में अब कार्रवाई के लिए नोटिस की प्रक्रिया पूरी करना विधिक रूप से जरूरी है।

एलडीए में अटके हैं चार हजार मामले

अवैध निर्माण साबित होने के बाद उन पर ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई के लिए करीब चार हजार मामले एलडीए के ही विहित न्यायालयों में अटके हैं। इनमें कई मामले ऐसे भी हैं, जो करीब एक साल से लंबित हैं। इससे अवैध निर्माण करने वालों को बढ़ावा भी मिल रहा है। विहित न्यायालय में सुनवाई होने के बाद ही इन पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण आदेश होगा।

दुकान खोलने के लिए 10 लाख रुपये की रंगदारी, धमकी पर प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी एजेंसी। वाराणसी में दालमंडी क्षेत्र में वक्फ की संपत्ति स्थित दुकान खोलने के बदले 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चौक थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। अपर पुलिस आयुक्त (काशी जोन) के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद आजम और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले में शिकायतकर्ता हंकार टोला निवासी निसार कुरैशी और आदि विश्वेश्वर क्षेत्र निवासी मोहम्मद अजीजुल्ला कादरी हैं। दोनों का आरोप है कि वे वर्ष 2006 से वक्फ संख्या-294 की संपत्ति में किरायेदार के रूप में दुकान संचालित कर रहे हैं। पीड़ितों के अनुसार मस्जिद परिसर में मरम्मत और निर्माण कार्य के दौरान दुकानें खाली कराई गई थीं। निर्माण पूरा होने के बाद उन्हें दोबारा दुकान पर काबिज कराया गया, लेकिन पिछले चार वर्षों से वे दुकान का संचालन नहीं कर पा रहे हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मोहम्मद आजम खुद को मस्जिद का मुतवल्ली बताकर उनकी दुकान नहीं खुलने दे रहा है। पीड़ितों का कहना है कि आरोपी दुकान खोलने के एवज में 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगता है। रुपये नहीं देने पर दुकान पर कब्जा करने और हत्या कराने की धमकी भी दी जाती रही है। कई बार समझाने और स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप के बावजूद आरोपी का रवैया नहीं बदला।

पीड़ितों के मुताबिक, 9 जून को जब निसार कुरैशी दुकान खोलने पहुंचे तो मोहम्मद आजम चार-पांच साथियों के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि उसने गाली-गलौज करते हुए दोबारा रंगदारी की मांग की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। घटना के बाद चौक थाने में शिकायत दी गई, लेकिन तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इसके बाद पीड़ितों ने अपर पुलिस आयुक्त (काशी जोन) से न्याय की गुहार लगाई। उनके निर्देश पर चौक पुलिस ने मोहम्मद आजम और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ, जागरूकता रैली निकालकर किया जनजागरूक

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शामली से शुभारंभ किया गया। नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण गोपाल ने हरी झंडी दिखाकर एवं फीता काटकर अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों और आशा कार्यकताओं ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर रैली निकाली और लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि बुखार को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि उपचार में देरी गंभीर परिणाम ला सकती है। उन्होंने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई से 31 जुलाई तक "घर-घर दस्तक" अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी तथा बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेंगी।

उन्होंने कहा कि यदि किसी बच्चे को बुखार हो तो बिना विलंब सरकारी अस्पताल में उपचार कराएं, क्योंकि कोई भी सामान्य दिखाई देने वाला बुखार दिमागी बुखार भी हो सकता है। समय पर जांच और उपचार से गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। जागरूकता रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होकर निकली, जिसमें प्रतिभागियों ने संचारी रोगों की रोकथाम और स्वच्छता के संदेश दिए।

इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अतुल बंसल, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी, आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. विजेंद्र कुमार, हनीफ अहमद सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत बनाने में कार्यकर्ता निभाएं सक्रिय भूमिका : सुरेश राणा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों और उनके बलिदान को आत्मसात कर कार्यकताओं को उनके सपनों के भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना डॉ. मुखर्जी का प्रमुख उद्देश्य था और देश में एक झंडा, एक संविधान की भावना को साकार करने में प्रत्येक कार्यकर्ता का योगदान आवश्यक है। नगीना धामपुर मार्ग स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती स्मरण पखवाड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी राष्ट्र और समाज के महान चिंतक थे। उन्होंने जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाने के लिए संघर्ष किया। संसद में उन्होंने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की जोरदार वकालत की थी। अगस्त 1952 में जम्मू कश्मीर की एक विशाल रैली में उन्होंने संकल्प लिया था कि या तो वहां भारतीय संविधान लागू कराएंगे या इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन बलिदान कर देंगे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1953 में बिना परमिट जम्मू कश्मीर जाने पर डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया था और 23 जून 1953 को हिरासत के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु से पूरा देश स्तब्ध रह गया था। इसके बाद परमिट व्यवस्था समाप्त हुई। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का नारा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे आज भी राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ बाबी ने की तथा संचालन जिला महामंत्री दिनेश सैनी ने किया। सम्मेलन में विधायक ओम कुमार, ऐश्वर्या मौसम चौधरी, तपराज सिंह, अनुप वाल्मीकि, कृष्ण बलदेव, फूल सिंह चौधरी, दीपक वाल्मीकि, प्रहलाद कुशवाहा, सौरभ मित्तल, लवी मित्तल, भूपेश चौहान, सोहन सैनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया, कुष्ठ आश्रम में भोजन वितरण व पौधारोपण किया

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर बुधवार को टपराना चौक स्थित एक मैरिज होम में केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने पौधारोपण किया तथा कुष्ठ आश्रम में भोजन वितरण कर सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद इकरा हसन रहीं, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने की। सांसद इकरा हसन ने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए। उन्होंने कहा कि उस समय गरीबों, किसानों और मजदूरों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गईं, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को आगे बढ़ने का अवसर मिला।

इसके बाद सांसद इकरा हसन पार्टी पदाधिकारियों के साथ कुष्ठ आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने रोगियों को भोजन वितरित किया और उनकी समस्याएं सुनीं। आश्रम के लोगों ने बताया कि बरसात के दौरान जलभराव की गंभीर समस्या बनी रहती है। साथ ही निकट स्थित नगर पालिका के कूड़ा निस्तारण केंद्र से आने वाली दुर्गंध और गंदा पानी आश्रम तक पहुंच जाता है। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने और पक्के मकान बनवाने की मांग की। सांसद इकरा हसन ने आश्वासन दिया कि वह इस समस्या को दिशा समिति की बैठक में उठाकर समाधान कराने का प्रयास करेंगी। इसके बाद उन्होंने पार्टी कार्यकताओं के साथ विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल, ठाकुर शेर सिंह राणा, डॉ. दीपा पंवार, राहुल सैनी, चौधरी राशिद अली, चौधरी कलीम हसन, सुरेश प्रधान, राहुल जावला, अनुज जावला, इमरान राणा, जहीर चौहान, चौधरी अश्वनी गुर्जर, चौधरी शमशेर जंग, विक्की प्रधान, कुलदीप प्रधान, नफीस राणा, सतीश चेयरमैन, संदीप पुंडीर, राव तफरुज, चौधरी मुस्तकीम, विनीत रोड, राहुल राणा, कादिर हसन, चौधरी वसीम, अनमोल पंवार सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉक्टर्स डे और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर चिकित्सकों व सीए का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। लायंस क्लब शामली क्राउन ने डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के अवसर पर जनपद के प्रतिष्ठित चिकित्सकों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके कार्यस्थलों पर पहुंचकर सम्मानित किया। क्लब पदाधिकारियों ने अस्पतालों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के कार्यालयों में जाकर माल्यार्पण किया, शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके योगदान की सराहना की। क्लब अध्यक्ष अंकुर गोयल ने कहा कि डॉक्टर और चार्टर्ड अकाउंटेंट समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जिनके बिना स्वस्थ और सुदृढ़ समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि चिकित्सक अपनी सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता से लोगों के जीवन की रक्षा करते हैं, जबकि चार्टर्ड अकाउंटेंट आर्थिक व्यवस्था में पारदर्शिता, अनुशासन और विश्वास को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समर्पित इन कर्मयोगियों का सम्मान करना लायंस क्लब शामली क्राउन के लिए गर्व की बात है। क्लब भविष्य में भी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने की परंपरा जारी रखेगा। कार्यक्रम का संचालन विकास गोयल ने किया। इस अवसर पर विजय संगल, रुपेश गर्ग, आयुष्मान सिंघल, विकास गोयल सहित क्लब के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

ऑरा कार ने आरोपियों तक पहुंचाया, मुठभेड़ में शूटर, मास्टरमाइंड समेत पांच गिरफ्तार

वाराणसी एजेंसी। रोहनिया थाना क्षेत्र के अवलेशपुर सौरभ विहार कॉलोनी में किराना व्यवसायी जितेंद्र पटेल की हत्या उनके बैंक खाते में 26 लाख रुपये लूटने के इरादे से की गई थी। साइबर अपराधियों ने शूटर के जरिये इस हत्या को अंजाम दिलवाया। साइबर अपराध में पहली बार गोली मारकर हत्या की गई।

कमिश्नरेट समेत पूर्वांचल में इस तरीके की हत्या नहीं हुई थी। शूटर, मास्टरमाइंड समेत पांच आरोपियों को रोहनिया पुलिस और एसओजी ने बीती रात गिरफ्तार किया। करसड़ा में मुठभेड़ में शूटर समेत दो आरोपी घायल हो गए। आरोपियों के पास से 1.78 लाख रुपये, अवैध असलहा, सिम कार्ड, बारकोड समेत अन्य सामान बरामद हुए। सोमवार को पुलिस लाइन के सभागार में डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार ने पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य शूटर मिर्जापुर के अदलहाट थाना क्षेत्र के खजुरौल भौरूहिया निवासी सुशील पटेल उर्फ गोलू और मिर्जापुर के अहरौरा थाना क्षेत्र के घाटमपुर निवासी गियांशु पटेल उर्फ बाबू, मास्टरमाइंड अहरौरा के बरबकपुर निवासी आयुष पटेल उर्फ भोला, अदलहाट बाजार निवासी अमन सेठ और अदलहाट थाना क्षेत्र के देवरिया निवासी मनीष सिंह हैं। ये सभी 19 से 23 वर्ष की आयु के बीच हैं।

गियांशु पटेल और आयुष छह माह पूर्व जनरल स्टोर संचालक जितेंद्र की दुकान पर पेटीएम केवाईसी अपडेट के बहाने पहुंचे थे। मोबाइल अपडेट के बहाने आरोपियों ने पता लगाया कि जितेंद्र के बैंक खाते में 26 लाख रुपये हैं। यहीं से गियांशु और आयुष ने मोबाइल लूटने की योजना बनाई।

गियांशु और आयुष ने अपने दोस्त अमन सेठ व मनीष सिंह के साथ रेकी की। इस बीच मामला नहीं बन पाने के कारण सभी ने योजना बनाई कि जितेंद्र की गोली मारकर हत्या के बाद मोबाइल लूटकर भाग जाएंगे। आयुष ने अपने मित्र सुशील पटेल उर्फ गोलू को साथ में जोड़ा। मुंगेर, बिहार से सुशील और अमन सेठ अवैध पिस्टल खरीदकर लाए।

6 जून को जितेंद्र की रास्ते में गोली मारकर हत्या की जानी थी, लेकिन उस दिन जितेंद्र जल्दी घर पहुंच गया था। 8 जून की रात जितेंद्र बाइक से घर लौट रहा था कि घर से 100 मीटर पहले ही रोनिन बाइक से सुशील और गियांशु ने रेकी की और बाइक पर पीछे बैठे शूटर सुशील ने गोली मारी। हालांकि पहली गोली जितेंद्र की पीठ पर लगी तो वह सीधे घर की ओर भागा।

सुशील ने दोबारा सिर में गोली मारने का प्रयास किया, लेकिन गोली मिस हो गई। इसके बाद सभी भाग निकले। अमन सेठ, आयुष पटेल और मनीष सिंह हुंडई की ऑरा कार से उनका सहयोग कर रहे थे। आयुष और गियांशु पहले पेटीएम में कर्मचारी थे।

डीसीपी प्रमोद कुमार ने बताया कि लगभग 2000 कैमरों और 50 पुलिसकर्मियों की टीम के जरिये मामले की गुत्थी सुलझाने का प्रयास किया गया। कैमरों की छानबीन में यह मालूम चला कि रोनिन बाइक के आगे ऑरा कार भी चल रही थी। कई रूटों पर ऑरा कार और रोनिन बाइक को साथ-साथ देखा गया।

ऑरा कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर अमन सेठ को पकड़ा गया। इसके बाद पूरा मामला स्पष्ट हो गया। बिना नंबर की रोनिन बाइक के बारे में जानकारियां जुटाई गईं तो बाइक मिर्जापुर के एक शोरूम से खरीदी गई थी। सभी आरोपियों के पास रोनिन बाइक है, इसलिए इस गैंग को रोनिन गैंग का नाम दिया गया। एडीसीपी लिपि नागयच ने बताया कि आरोपी आयुष पटेल, मनीष सिंह और अमन सेठ को रविवार की रात अखरी के पास से गिरफ्तार किया गया। शूटर सुशील पटेल और गियांशु पटेल को करसड़ा में पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया।

दोनों आरोपियों के पास से 7.65 बोर की एक पिस्टल, 7.65 बोर के चार कारतूस, .315 बोर का तमंचा, चार कारतूस, दो रोनिन बाइक, 10 पेटीएम मशीनें, विभिन्न कंपनियों के 29 डेबिट कार्ड, 1.78 लाख रुपये नकद, 20 मोबाइल फोन, 116 क्यूआर कोड, एप्पल का लैपटॉप, नौ सिम कार्ड, वाईफाई डोंगल, पासबुक और चेकबुक आदि बरामद किए गए।

वाराणसी के अलावा लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, अयोध्या और चंदौली में भी आरोपियों ने साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस आयुक्त ने रोहनिया इंस्पेक्टर राजू सिंह और एसओजी को एक लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी है।

पांच आरोपियों की उम्र 19 से 23 वर्ष के बीच है। साइबर ठगी पर बनी जामताड़ा मूवी देखकर आरोपियों ने कम उम्र में साइबर ठगी से अथाह पैसे कमाने की सोची। आईटीआई, बीएससी, बीए और इंटर पास आरोपियों ने पहले छोटी-छोटी साइबर ठगी शुरू की। छह माह पूर्व पेटीएम कंपनी से आरोपी आयुष ने छोटे-बड़े दुकानदारों की पेटीएम केवाईसी की और उन्हें क्यूआर कोड उपलब्ध कराए। इसके सहारे जब वह अपने काम में पारंगत हो गया तो उसने अपना गिरोह तैयार किया।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान को प्रशासन गंभीर, सड़कों की मरम्मत और आधारभूत सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) सभागार में व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाली समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए और कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में व्यापारियों ने सेक्टर-64 स्थित आदर्श परीक्षा केंद्र के आसपास वाहन पार्किंग और सार्वजनिक शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का मुद्दा उठाया। साथ ही परीक्षाओं के दौरान लगाए जाने वाले संकेत अवरोधक (जैमर) की अधिक रेंज के कारण आसपास के व्यापारियों और आम नागरिकों को मोबाइल नेटवर्क में आने वाली बाधाओं का उल्लेख करते हुए इसका व्यावहारिक समाधान कराने की मांग की।

व्यापारिक संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-9 से छिजारसी गोलचक्कर तक प्रस्तावित मार्ग को भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को देखते हुए छह लेन और सेवा मार्ग सहित विकसित किए जाने का सुझाव दिया। इसके अलावा सेक्टर-115 स्थित आइवरी काउंटी के सामने, स्टेडियम मार्ग, सेक्टर-49, बरौला तथा बरौला-भगेल मार्ग की जर्जर सड़कों और गड्ढों की समस्या भी प्रशासन के समक्ष रखी गई।

जिलाधिकारी ने संबंधित प्राधिकरणों और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कर उन्हें गड्ढामुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि व्यापारिक संगठनों द्वारा उठाए गए प्रत्येक बिंदु पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जिले में व्यापारिक गतिविधियां अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में संचालित हो सकें।

बैठक में राज्य कर विभाग के उप आयुक्त (प्रशासन) अजीत कुमार सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मोबाइल टावरों से करोड़ों की चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम और ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मोबाइल टावरों से महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपये कीमत के चोरी किए गए मोबाइल टावर उपकरण बरामद किए है। इसके साथ ही चोरी की वारदातों में प्रयुक्त एक बीएमडब्ल्यू कार, वायर कटर, प्लास सहित अन्य उपकरण भी बरामद किए गए है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अदानान उर्फ अज्जू, आमिर और सौरभ के रूप में हुई है। संयुक्त अभियान के दौरान ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में मोबाइल टावर से रिमोट रेडियो यूनिट चोरी करते समय तीनों को दबोच लिया गया। पूछताछ और निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से चोरी किए गए 20 रिमोट रेडियो यूनिट, 7 बेस बैंड यूनिट और एक रेडियो रिसीवर यूनिट चेकिंग मशीन बरामद की। संवाददाता सम्मेलन में एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर ने बताया कि बीबीयू और आरआरयू मोबाइल टावर के अत्यंत महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते है। बीबीयू को मोबाइल टावर का दिमाग माना जाता है, जिसकी कीमत 5 से 10 लाख रुपये तक होती है, जबकि एक आरआरयू की कीमत लगभग 1.5 से 2 लाख रुपये होती है। इन उपकरणों की चोरी से दूरसंचार सेवाएं प्रभावित होने की आशंका रहती है। इनके चोरी होने की सूचना लगातार मिल रही थी, जिसके बाद इस गिरोह को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आमिर के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास, हत्या और आर्म्स एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज है। वहीं

अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। इस सफलता पर स्वाट टीम और ट्रोनिका सिटी पुलिस टीम को 50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त करने वाले नेटवर्क की तलाश में जुटी है।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया किया कि वह गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में मोबाइल टावरों से महंगे उपकरण चोरी कर चुके है। गिरोह चोरी किए गए उपकरणों की खरीद-फरोख्त करता था और उन्हें आगे अन्य लोगों के माध्यम से विदेशों तक भेजा जाता था।अभियुक्त आमिर ने बताया कि वर्ष 2023 में हत्या के एक मामले में जेल गया था। इसी दौरान उसकी मुलाकात ऐसे लोगों से हुई, जिन्होंने उसे मोबाइल टावरों से उपकरण चोरी कर मोटा मुनाफा कमाने का तरीका बताया। जेल से छूटने के बाद उसने अदानान और अन्य साथियों के साथ मिलकर इस गिरोह को सक्रिय कर दिया। वहीं अदानान चोरी के उपकरणों की खरीद-फरोख्त करता था, जबकि सौरभ मोबाइल टावरों से उपकरण चोरी करने का काम करता था।

गोल मार्केट में चला बुलडोजर, नगर पालिका ने हटवाया अतिक्रमण, डीएम के निर्देश पर हुई कार्रवाई

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के प्रमुख बाजार गोल मार्केट में अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका परिषद ने बुधवार को सख्त अभियान चलाते हुए जेसीबी की मदद से सड़क किनारे किए गए अवैध और अस्थायी कब्जों को हटवाया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। कुछ स्थानों पर दुकानदारों और पालिका कर्मियों के बीच नोकझोंक भी हुई, लेकिन अभियान शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया। अतिक्रमण की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधिकारी कविता मीना के निर्देश पर नगर पालिका की टीम राजस्व निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में गोल मार्केट पहुंची। अभियान शुरू होने से पहले अतिक्रमणकारियों को कब्जे हटाने की चेतावनी दी गई। इसके बाद जेसीबी की सहायता से सड़क किनारे लगाए गए बांस-बल्ली, टीन शेड और अन्य अस्थायी निर्माण हटाए गए, जिससे मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अभियान के कुछ घंटे बाद ही ठेले और फेरी लगाने वाले फिर सड़क पर कब्जा कर लेते हैं, जिससे बाजार में जाम की समस्या दोबारा खड़ी हो जाती है। उनका कहना है कि गोल मार्केट लंबे समय से अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है और नियमित कार्रवाई ही इसका स्थायी समाधान हो सकती है। वहीं, कुछ दुकानदारों ने अपनी मजबूरी बताते हुए कहा कि अस्थायी दुकान लगाकर ही उनका परिवार चलता है। उनका कहना था कि रोजी रोटी के लिए उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय मिश्रा ने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लायंस क्लब ने कौशल किशोर गोयल, अंकित सिंघल और वंदना बंडल को किया सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। लायंस क्लब की ओर से बुधवार को आयोजित सम्मान समारोह में निष्ठा ग्रुप के प्रबंध निदेशक कौशल किशोर गोयल, चार्टर्ड अकाउंटेंट एफसीए अंकित सिंघल और सीए वंदना बंडल को उनके सामाजिक एवं पेशेवर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में क्लब पदाधिकारियों ने तीनों सम्मानित हस्तियों को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। क्लब अध्यक्ष ने बताया कि कौशल किशोर

गोयल को व्यापारिक गतिविधियों के साथ सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, एफसीए अंकित सिंघल और सीए वंदना बंडल को वित्तीय जागरूकता फैलाने तथा समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद कौशल किशोर गोयल ने कहा कि सम्मान व्यक्ति की जिम्मेदारियों को और बढ़ा देता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि निष्ठा ग्रुप भविष्य में भी सामाजिक कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी बनाए रखेगा। वहीं, अंकित सिंघल और वंदना बंडल ने लायंस क्लब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेशेवर दायित्वों के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम में लायंस क्लब के पदाधिकारी, सदस्य, शहर के गणमान्य नागरिक तथा निष्ठा ग्रुप के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी बच्चू सिंह को भावभीनी विदाई, प्रशासनिक सेवाओं की सराहना

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन) बच्चू सिंह के सेवानिवृा होने पर भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जिला स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके लंबे, सफल और गौरवपूर्ण प्रशासनिक सेवाकाल को याद किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जिलाधिकारी ने बच्चू सिंह की प्रशासनिक सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पूरे सेवाकाल में निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, सकारात्मक कार्यशैली, सरल स्वभाव और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की क्षमता अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगी।

उन्होंने कहा कि बच्चू सिंह ने प्रत्येक जिम्मेदारी को पूरी लगन और संवेदनशीलता के साथ निभाते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी कार्यकुशलता और प्रशासनिक अनुभव से जिला प्रशासन को निरंतर मजबूती मिली। जिलाधिकारी ने उनके स्वस्थ, सुखद और समृद्ध जीवन की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका अनुभव समाज और प्रशासन के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

समारोह के दौरान विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा बच्चू सिंह के सहयोगात्मक व्यवहार, सहज व्यक्तित्व और समर्पित कार्यशैली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद और मंगलमय जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी मेघा रूपम सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। समारोह में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका, नगर मजिस्ट्रेट अरविंद कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी वेद प्रकाश पांडेय, सभी उप जिलाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया, पौधारोपण और फल वितरण किया

बिजनौर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन मंगलवार को जिलेभर में सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने केक काटकर जन्मदिन की खुशी साझा की, भंडारे का आयोजन किया, राहगीरों को शर्बत पिलाया तथा जिला अस्पताल में मरीजों और उनके तीमारदारों को फल वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न स्थानों पर फलदार और छायादार पौधों का रोपण भी किया। इस अवसर पर सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष हनी फैसल ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में विकास, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इन्हीं मूल्यों को लेकर जनता के बीच लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी और प्रदेश में विकास एवं जनहित की नीतियों को आगे बढ़ाएगी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने अखिलेश यादव के स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना की।

देवता पीजी कॉलेज में एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, अनुशासन और एकता का दिया संदेश

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर क्षेत्र के ग्राम मोरना स्थित देवता पीजी कॉलेज में 32 यूपी बटालियन एनसीसी, धामपुर के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-96 का शुभारंभ बुधवार को हुआ। उद्घाटन सत्र में कैंप कमांडेंट कर्नल गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'ओपनिंग एड्रेस' के माध्यम से कैडेट्स को अनुशासन, एकता और समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने का संदेश दिया। कर्नल गणेश शंकर विद्यार्थी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों और बटालियनों से आए कैडेट्स का स्वागत करते हुए कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करता है। उन्होंने सभी कैडेट्स से शिविर के दौरान प्रत्येक गतिविधि में पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ भाग लेने का आह्वान किया। शिविर में विभिन्न

बटालियनों के कैडेट्स संयुक्त रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य कैडेट्स को आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों तथा नेतृत्व कौशल से परिचित कराना है। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए कैडेट्स को एल्फा, ब्रावो, चार्ली और डेल्टा कंपनियों में विभाजित किया गया है। शिविर के दौरान इन कंपनियों के बीच विभिन्न अंतर-कंपनी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा, जिससे कैडेट्स की प्रतिस्पर्धात्मक भावना, टीमवर्क और दक्षता का विकास हो सके। इस अवसर पर डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल ललित भट्ट, कैंप एडजुटेंट मेजर रमाशंकर, कैप्टन धीरज शर्मा, लेफ्टिनेंट ललित कुमार, लेफ्टिनेंट जाहिद अली, लेफ्टिनेंट तेजस्वी कुमार, सूबेदार किशन कुमार, सेकंड अफसर विपिन कुमार, नायब सूबेदार मधुसूदन, नायब सूबेदार विनिल कुमार, सेकंड अफसर कंचन, जीसीआई अनुश्री बिष्ट, बीएचएम हवलदार विनोद नेगी, हवलदार सुंदर सिंह, हवलदार प्रकाश सिंह, हवलदार विकास छेत्री सहित एनसीसी स्टाफ और बड़ी संख्या में कैडेट्स मौजूद रहे।

बिजली समस्याओं को लेकर बीकेयू टिकैत का प्रदर्शन, उपकेंद्र पर पंचायत के बाद सड़क पर लगाया जाम

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं को लेकर बुधवार को खुर्जा रोड स्थित विद्युत उपकेंद्र पर पंचायत आयोजित की। पंचायत में बिजली विभाग के अधिकारियों के समय पर नहीं पहुंचने से नाराज किसानों ने कुछ देर के लिए खुर्जा रोड पर जाम लगाकर नारेबाजी की। बाद में अधिकारियों के मौके पर पहुंचने और मांगों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद किसानों ने जाम समाप्त कर दिया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष (पश्चिम उत्तर प्रदेश) पवन महेंद्र सिंह चौरौली के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान विद्युत उपकेंद्र पहुंचे और क्षेत्र में लगातार बनी हुई विद्युत समस्याओं को लेकर पंचायत की। किसानों का आरोप था कि लंबे समय तक इंतजार के बावजूद बिजली विभाग का कोई जिम्मेदार अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा, जिससे आक्रोशित होकर उन्होंने खुर्जा रोड पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने मांगों के समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद किसानों ने अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। पवन महेंद्र सिंह चौरौली ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या का शीघ्र समाधान कराने, किसानों की सिंचाई के लिए खेतों की नलकूपों को प्रतिदिन लगभग 18 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जिन गांवों में विद्युत ट्रांसफार्मर खराब हैं, उन्हें 24 घंटे के भीतर बदलने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन तेज करने के लिए बाध्य होगा।

18 जुलाई को निकलेगी भव्य भगवान जगन्नाथ रथयात्रा, अमेरिका से आएंगे कृष्ण चैतन्य स्वामी

जेवर (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) जेवर के तत्वावधान में 18 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद (भंडारा) का भी आयोजन किया जाएगा। इस्कॉन जेवर के अनुसार, रथयात्रा के लिए सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा के श्रीविग्रह विशेष रूप से लाए जाएंगे। यात्रा का शुभारंभ खुर्जा रोड स्थित पेट्रोल पंप से होगा। इसके बाद रथयात्रा टप्पल रोड, दाऊजी मंदिर मार्ग और मुख्य बाजार से होती हुई टहनी वाले आश्रम तक पहुंचेगी। रथयात्रा का प्रमुख आकर्षण अमेरिका से आने वाले कृष्ण चैतन्य स्वामी होंगे, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश देंगे। आयोजन के दौरान भजन-कीर्तन, संकीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस्कॉन जेवर के अध्यक्ष राधाकुंड दास ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, सद्भाव, आपसी भाईचारे और विश्व शांति का संदेश देने का पावन अवसर है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया।

मैरिज होम में घुसकर मारपीट और लूटपाट के प्रयास का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर कस्बे के एक होटल एवं मैरिज होम संचालक ने कस्बे के ही एक व्यक्ति और उसके साथियों पर शादी समारोह के दौरान मैरिज होम में घुसकर मारपीट तथा लूटपाट का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बा निवासी ध्रुव शरण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका खुर्जा रोड स्थित डी ग्राउंड होटल एवं मैरिज होम में सोमवार तड़के करीब तीन बजे एक शादी समारोह चल रहा था। इसी दौरान कस्बे का एक व्यक्ति अपने लगभग दस साथियों के साथ वहां पहुंचा और कथित रूप से मारपीट तथा लूटपाट का प्रयास किया। पीड़ित के अनुसार, घटना से विवाह समारोह में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई और कई लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेवर टोल प्लाजा पर शुक्रवार को किसानों का धरना, टोल फ्री समेत कई मांगें उठेंगी

जेवर (शिखर समाचार)। क्षेत्रीय समस्याओं और किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति सहित अन्य किसान संगठन शुक्रवार, 3 जुलाई को यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। आंदोलन में बड़ी संख्या में किसानों के शामिल होने की संभावना है। भाकियू लोकशक्ति के वरिष्ठ नेता प्रमोद शर्मा ने बताया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण के बाद किसानों और क्षेत्रीय लोगों को विभिन्न कार्यों के लिए यमुना प्राधिकरण कार्यालय तथा नोएडा आना-जाना पड़ता है। विकास के लिए भूमि देने के बावजूद स्थानीय लोगों को हर बार टोल शुल्क चुकाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब तक किसान संगठनों की ओर से भेजे जाने वाले संदेश के आधार पर स्थानीय लोगों को टोल से राहत मिल जाती थी, लेकिन यह सुविधा बंद कर दी गई है, जबकि जनप्रतिनिधियों और सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों के संदेश अभी भी मान्य हैं। किसान संगठनों ने मांग की है कि यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे शीघ्र सर्विस रोड का निर्माण कराया जाए, स्थानीय निवासियों को टोल शुल्क से मुक्त किया जाए तथा किसानों को लंबित सात प्रतिशत आवासीय भूखंडों का शीघ्र आवंटन किया जाए। इन मांगों को लेकर शुक्रवार को जेवर टोल प्लाजा पर संयुक्त रूप से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ, जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अभियान की शुरूआत करते हुए आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं की जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा लोगों से स्वच्छता अपनाकर संचारी रोगों की रोकथाम में सहभागी बनने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों, कर्मचारियों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं को संचारी रोगों की रोकथाम और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जनसहभागिता, साफ-सफाई और समय पर उपचार सबसे महत्वपूर्ण हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने घर और आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखे तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे तो इन रोगों की रोकथाम प्रभावी ढंग से की जा सकती है।

उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने और अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने पर बल दिया।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी मंजूषा गुप्ता, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

सिंधु पर सियासत नहीं, आतंक पर निर्णायक जवाब का समय

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने का निर्णय केवल एक कूटनीतिक कदम नहीं था, बल्कि यह उस नीति परिवर्तन का संकेत भी था जिसमें आतंकवाद और सामान्य द्विपक्षीय संबंधों को अब अलग अलग खानों में नहीं देखा जा रहा। पिछले एक वर्ष के घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब आतंकवाद के मुद्दे पर केवल विरोध दर्ज कराने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि उन सभी समझौतों और व्यवस्थाओं की भी समीक्षा कर रहा है जिनका लाभ ऐसे पड़ोसी देश को मिलता है जिस पर आतंकवाद को संरक्षण देने के आरोप लगातार लगते रहे हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान की ओर से आ रही तीखी प्रतिक्रियाएं यह बताती हैं कि सिंधु जल संधि उसके लिए केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि उसकी कृषि, अर्थव्यवस्था और आंतरिक स्थिरता से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। इसी पृष्ठभूमि में इस्लामाबाद में आयोजित सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए कहा कि यदि कोई यह समझता है कि पाकिस्तान सिंधु का पानी छोड़ देगा तो वह पाकिस्तान को नहीं जानता। उन्होंने जल संसाधनों को हथियार बनाने के खिलाफ नया अंतरराष्ट्रीय ढांचा बनाने की भी वकालत की और इसे वैश्विक कानून तथा क्षेत्रीय शांति का प्रश्न बताया। पाकिस्तान के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी जल को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बताते हुए कड़ी चेतावनियां दी हैं। यह पूरा घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब इस मुद्दे को केवल द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जाने की रणनीति पर काम कर रहा है। लेकिन इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत ने सिंधु जल संधि को स्थायी रूप से समाप्त नहीं किया है, बल्कि उसे स्थगित रखा है। भारत का तर्क है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद पर प्रभावी और विश्वसनीय कार्रवाई नहीं होती, तब तक सामान्य सहयोग की अपेक्षा नहीं की जा सकती। दूसरी ओर पाकिस्तान इस कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताकर विश्व समुदाय का समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहा है। हाल के दिनों में इस्लामाबाद में आयोजित सम्मेलनों और विदेश नीति से जुड़े कार्यक्रमों में भी यही संदेश दिया गया कि जल को दबाव बनाने का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत के सामने चुनौती केवल पाकिस्तान की बयानबाजी नहीं है। असली चुनौती यह है कि वह अपने निर्णय को अंतरराष्ट्रीय कानून, तकनीकी क्षमता और दीर्घकालिक जल प्रबंधन के साथ संतुलित रूप से आगे बढ़ाए। दशकों तक सिंधु जल संधि को दुनिया के सबसे सफल जल समझौतों में गिना जाता रहा। युद्धों और तनाव के बावजूद यह व्यवस्था चलती रही। लेकिन यदि एक पक्ष लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोपों से घिरा रहे और दूसरा पक्ष इसकी कीमत चुकाता रहे तो किसी भी समझौते की मूल भावना कमजोर पड़ जाती है। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह हर कदम कानूनी मजबूती और तकनीकी तैयारी के साथ उठाए ताकि भविष्य में किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसके निर्णय पर प्रश्नचिह्न न लगे। दूसरी ओर पाकिस्तान को भी आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। केवल भावनात्मक भाषणों, आक्रामक चेतावनियों और अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति जुटाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यदि पाकिस्तान वास्तव में अपने किसानों, अपनी अर्थव्यवस्था और अपने भविष्य को लेकर गंभीर है तो उसे सबसे पहले उन कारणों पर ध्यान देना होगा जिनके चलते दोनों देशों के बीच विश्वास लगातार कमजोर हुआ है। आतंकवाद के विरुद्ध विश्वसनीय कार्रवाई, सीमापार हिंसा पर रोक और सकारात्मक संवाद ही किसी स्थायी समाधान का आधार बन सकते हैं। यह भी ध्यान रखना होगा कि जल केवल राजनीतिक विषय नहीं बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी रणनीतिक संपत्ति बन चुका है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और घटते जल स्त्रोतों के कारण आने वाले वर्षों में जल सुरक्षा का महत्व और बढ़ेगा। ऐसे में भारत को अपने बांधों, जलाशयों, सिंचाई परियोजनाओं और नदी प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक बनाना होगा ताकि उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग देश के किसानों, उद्योगों और नागरिकों के हित में किया जा सके। यदि भारत अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाता है तो यह केवल कूटनीतिक दबाव का माध्यम नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास का भी आधार बनेगा।

~ मौलिक चिंतन ~

हमें चमकीली चीजें दिखाकर चकाचौंध किया जा रहा है, ताकि हम चमक तो देखें लेकिन इसके पीछे के अंधकार को नजर अंदाज कर दें।

©

विनय संकोची

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हक़ीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फक़ीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्ववादा, वफा और विरासतह्व के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-श सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी। बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

मध्य प्रदेश में उठाएं बीच का मजा

जरूर एक्सप्लोर करें ये मनमोहक और खूबसूरत जगह

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का %मिनी गोवा% भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

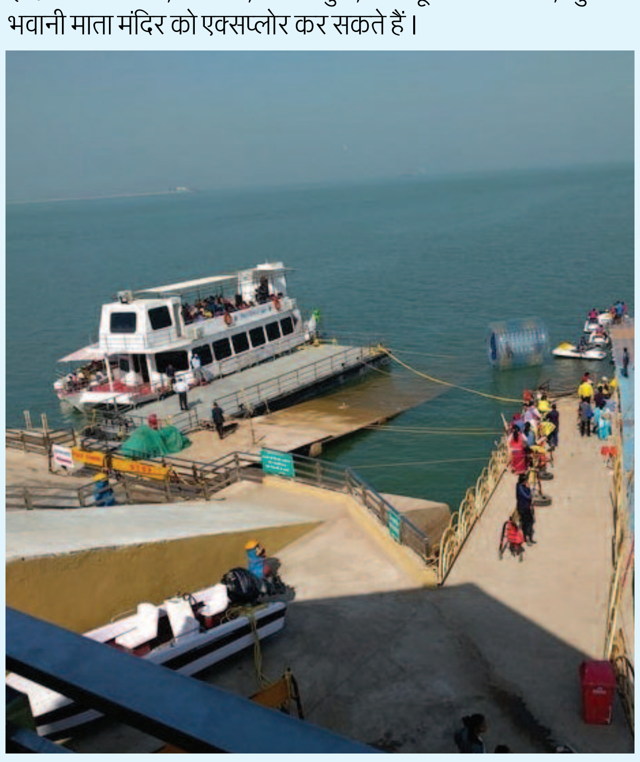

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।

3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है।

कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग
- स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि)
- फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग
- चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज
- शांत वातावरण में ध्यान और योग

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून : गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर : साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए।

दिसंबर से फरवरी : बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।

सड़क मार्ग : चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई

नई दिल्ली।

अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार लगातार घट रहा है, जिसका असर वैश्विक तेल बाजार पर भी देखने को मिल रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में 60.72 लाख बैरल की गिरावट आई। इससे पहले वाले सप्ताह में भंडार 7.65 लाख बैरल घटा था। इस खबर के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी देखने को मिली।

ब्रेंट क्रूड 73.19 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 69.77 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के मुताबिक पिछले 11 हफ्तों में अमेरिका के कमर्शियल कच्चे तेल के भंडार में कुल 5.94 करोड़ बैरल की कमी आ चुकी है। हालांकि, इस साल अब तक कुल कच्चे तेल का भंडार सिर्फ 80 लाख बैरल ही घटा है, क्योंकि सरकार लगातार अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से तेल जारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में भी 55 लाख बैरल की कमी आई। इसके बाद यह घटकर 32.57 करोड़ बैरल रह गया। यह रिजर्व अपनी अधिकतम क्षमता से करीब 39.9 करोड़ बैरल कम है। इस बीच अमेरिका का कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 1.3819 करोड़ बैरल प्रति दिन पहुंच गया। वहीं ओक्लाहोमा के कुशिंग हब में कच्चे तेल का भंडार 5.03 लाख बैरल बढ़ा है।

1 जुलाई से वीबी-जी राम जी कानून लागू, अब 125 दिन मिलेगा रोजगार

-औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी, 300 से कम नहीं मिलेगी

नई दिल्ली।

1 जुलाई से पूरे देश में वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू हो गया है, जिसके तहत अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। सरकार ने रोजगार के दिनों में 25 दिन की बढ़ोतरी के साथ मजदूरी दर भी बढ़ाई है। नए नियम के मुताबिक अब किसी भी राज्य में दैनिक मजदूरी 300 रुपए से कम नहीं होगी और औसतन मजदूरी में 10फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है।ये कदम विकसित भारत के तहत केंद्र सरकार के द्वारा उठाया गया है। इससे लाखों ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ने के साथ-साथ असमानता भी कम होगी। सरकार द्वारा दी कई जानकारी के मुताबिक पूरे देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ये मजदूरी बढ़ोतरी की गई है। पहले कई जगहों पर 241 रुपए ही मजदूरी मिलती थी, लेकिन अब हर जगह 300 रुपए तक की मजदूरी दी जाएगी। ये इंटरिम बेस रेट लागू किया गया है। साथ ही नेशनल ऐवरेज मजदूरी पहले 298.8 रुपए प्रतिदिन थी जोकि बढ़कर अब 327.4 रुपए हो गई है यानी ऐवरेज देखें तो 28.6 रुपए की बढ़त की गई है। यह बड़ा बदलाव मनरेगा से वीबी-जी राम जी कानून में आने के बाद हुआ है। इससे ग्रामीण मजदूरों की इनकम को सुरक्षा, मजबूती और पुराने नियम जिनसे मजदूरों को फायदा नहीं मिलता था, वह परेशानी भी दूर होगी।

सोना-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 1301 रुपए टूटकर 1,41,230 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गयी है। ये 4166 रुपए टूटकर 2,24,397 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई है। इस गिरावट का प्रभाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी देखा गया, जहाँ शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी दोनों की ही कीमतें घटी हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में गत दिवस भी सोने की कीमतों में गिरावट आई थी। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 800 रुपए घटकर 1,45,800 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो पिछले सत्र में 1,46,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह दिखाता है कि भौतिक बाजार में सोने की खरीदारी में अभी भी कमजोरी बनी हुई है।वहीं इसके विपरीत, सर्राफा बाजार में चांदी में तेजी आई जिससे निवेशक हैरान को गये। लगातार चार सत्रों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए, चांदी की कीमत में 6,000 रुपए की तेजी रही और यह 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई। इससे पिछले सत्र में चांदी का भाव 2,24,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने पर दबाव बना रहा, लेकिन हालिया गिरावट के बाद चांदी में निचले स्तर पर खरीदारी देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 443 निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर में मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443.97 अंक बढ़कर 76,922.64 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.10 अंक बढ़कर 24,005.85 पर बंद हुआ। आज रियल्टी, एफएमसीजी और मीडिया शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी रही जिससे भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान करीब 158 शेयरों में तेजी रही जबकि 1935 शेयरों में गिरावट आई। वहीं 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में नेस्ले इंडिया, एचयूएल और एशियन पेंट्स शामिल थे जबकि सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील का स्टॉक शामिल है।बाजार में अगर सेक्टर के

हिसाब से देखें तो रियल्टी इंडेक्स में 3 बढ़त देखने को मिली। वहीं एफएमसीजी और मीडिया इंडेक्स में 2-2 फीसदी की बढ़त रही। ऑटो और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 1-1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी की गिरावट आई, मेटल इंडेक्स 1फीसदी और फार्मा इंडेक्स में 0.5फीसदी की गिरावट रही।इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ।

चांदी 43प्रतिशत और सोना 20फीसद तक लुढ़का

शेयर बाजार में भी भारी अस्थिरता, निवेशकों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

साल 2026 के पहले छह महीनों में सोना, चांदी और शेयर बाजार तीनों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 20 प्रतिशत तक सस्ता हो गया है, जबकि चांदी में लगभग 43 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। वहीं, शेयर बाजार भी दबाव में रहा और सेंसेक्स करीब 11 प्रतिशत तक फिसल गया। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ा है। इन परिस्थितियों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया, जिससे कीमती धातुओं और शेयर बाजार दोनों में बिकवाली बढ़ी। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले समय में वैश्विक आर्थिक संकेतकों, केंद्रीय बैंकों की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर निवेशकों की नजर रहेगी। हालात सामान्य होने तक बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

1 जुलाई से कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो कार खरीदना हुआ महंगा

-घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं, बिना टिकट यात्रा पर डबल जुर्माना

नई दिल्ली।

1 जुलाई यानी बुधवार से देश में आम आदमी की जेब, रसोई और सफर से जुड़े 6 बड़े नियम बदल गए हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता तो पासपोर्ट बनवाना महंगा हो गया है। ट्रेन में बिना टिकट सफर करने पर दोगुना जुर्माना लगेगा। तेल कंपनियों ने 1 जुलाई से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में औसतन 180 तक की बड़ी कटौती कर दी है। हालांकि, 14 किलो वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।दिल्ली में अब नया दाम 2930.00 हो गया है जो पहले 3113.50 था यानी 183.50 रुपए की कमी आई है। कोलकाता में नई कीमत 3081.50 है जो पहले 3255.50 थी यानी 174 रुपए की कमी, मुंबई में पुराना दाम 3067.50 था जो अब घटकर 2885.50 रुपए रह गया है यानी 182.00 की कमी और चेन्नई में पहले इसकी कीमत 3283.00 थी जो अब कम होकर 3106 रुपए हो गई है यानी 177 की कमी। इसके घटने से रेस्टोरेंट, होटल और शादियों में कैटरिंग का खर्च कम होगा, जिससे आम जनता के लिए भी बाहर खाना और नाश्ता सस्ता हो सकता है। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च घटेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली सस्ते कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी सस्ती हो सकती है।पेट्रोलियम मंत्रालय ने देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को देखते हुए 11 जून को एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की जो सीमा लगाई थी, उसे अब उसे खत्म कर दिया गया है। वहीं अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में बड़ी गिरावट

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 67 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 95.23 पर बंद हुआ। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में बढ़ती अनिश्चितता और घरेलू मोर्चे पर चुनौतियों का स्पष्ट संकेत दे रही है, जिसका सीधा असर देश की आयात लागत और महंगाई दर पर पड़ने की आशंका है।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने रुपये की इस तेज गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारकों का हवाला दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना एक बड़ा कारण रहा है, क्योंकि वैश्विक निवेशक अस्थिरता के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही, भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी रुपये पर भारी दबाव डाला है। विदेशी संस्थागत निवेशक लाभ बुकिंग और वैश्विक जोखिमों के चलते भारतीय इक्विटी और ऋण बाजारों से अपना निवेश निकाल रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ रही है और रुपया कमजोर हो रहा है।

इसके अलावा, एशियाई मुद्राओं में व्यापक कमजोरी भी रुपये की गिरावट में सहायक रही, क्योंकि लगभग सभी प्रमुख एशियाई मुद्राएं डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई हैं। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स का 95 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करना भी बाजार की धारणा को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारक साबित हुआ है, जिसने निवेशकों के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.60 के निचले स्तर से 95.29 के उच्च स्तर तक के दायरे में रहा, जो दिन भर की तीव्र अस्थिरता को दर्शाता है। अंततः, यह पिछले बंद भाव की तुलना में 67 पैसे कम होकर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

एएमएफआई की नई कंपनियों की सूची जल्द हो सकती है जारी

इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है

नई दिल्ली।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए अहम मानी जाने वाली एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की नई लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों की सूची जल्द जारी हो सकती है। 30 जून को श्रेणी निर्धारण की कट-ऑफ तिथि पूरी होने के बाद अब बाजार की निगाहें नई सूची हैं। इस सूची के आधार पर म्यूचुअल फंड हाउस अपनी निवेश रणनीति तैयार करते हैं और कई फंड मैनेजर पोर्टफोलियो में जरुरी बदलाव करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक इस बार कई कंपनियों की श्रेणी में बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि नई कैटेगरी एक अगस्त 2026 से प्रभावी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी कंपनी का लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप श्रेणी में शामिल होना या उससे बाहर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि उसमें तुरंत निवेश बढ़ जाएगा या बिकवाली शुरू हो जाएगी। फिर भी फंड मैनेजर निवेश संबंधी फैसलों में इस सूची को अ हम आधार मानते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक बीएसई, वोडाफोन आइडिया, हिताची एनर्जी इंडिया, जिंदल स्टील, इंडियन बैंक, इंडस टावर्स, बिलियनब्रेन्स गैरेज वेंचर्स, बीएचईएल और वेदांता एल्युमिनियम के लार्जकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है। दूसरी ओर लोढ़ा डेवलपर्स, इंडियन होटल्स, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, मैक्स हेल्थकेयर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज, हीरो मोटोकॉर्प, सीमेंस एनर्जी इंडिया और बॉश के लार्जकैप से मिडकैप श्रेणी में आने का अनुमान लगाया है। मिडकैप श्रेणी में हिंदुस्तान कॉपर, एनएलसी इंडिया, एआईए इंजीनियरिंग, अजंता फार्मा, एस्टर डीएम हेल्थकेयर, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसीजन फोर्जिंग्स, नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल और डेल्हीवरी को जगह मिल सकती है।

डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंचा, मजबूती की वजह बॉन्ड यील्ड में तेजी

नई दिल्ली।

अमेरिका से आने वाले अहम रोजगार के आंकड़ों से पहले अमेरिकी डॉलर में फिर मजबूती देखने को मिली है। बुधवार को डॉलर इंडेक्स बढ़कर 101.3 के करीब पहुंच गया। इससे पहले हफ्ते की शुरुआत में इसमें कुछ कमजोरी देखने को मिली थी। डॉलर को मजबूती मिलने की बड़ी वजह अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी है। मंगलवार को 10 साल की अमेरिकी बॉन्ड यील्ड करीब 10 बेसिस प्वाइंट बढ़ी, जिससे डॉलर को सपोर्ट मिला।जारी आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में अमेरिका में खाली नौकरियां पिछले दो साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। इससे संकेत मिलता है कि भले ही नई भर्तियों की रफ्तार धीमी हुई हो, लेकिन श्रम बाजार अभी भी मजबूत है। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के मासिक रोजगार आंकड़ों पर है। इन आंकड़ों से यह संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व आगे ब्याज दरों को लेकर क्या कदम उठा सकता है। फिलहाल बाजार को उम्मीद है कि फेड इस साल कम से कम एक बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है। निवेशकों के मुताबिक इसके लिए सितंबर सबसे पहला संभावित समय हो सकता है। इसके अलावा निवेशक कतर में चल रही अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पर भी नजर रख रहा हैं। इस बातचीत का असर वैश्विक बाजारों और डॉलर की चाल पर पड़ सकता है।

शेयर बाजार इस माह करेगा बेहतर प्रदर्शन! निजी बैंकिंग व ज्वेलरी सेक्टर में ज्यादा संभावनाएं

ब्रोकरेज ने जुलाई सीरीज के लिए 10 शेयरों में खरीदारी की दी सलाह

नई दिल्ली।

जून महीने में उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरने के बाद भारतीय शेयर बाजार जुलाई सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। एक ताजा रिपोर्ट में जुलाई के लिए बाजार पर सकारात्मक रुख जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस सालों के आंकड़े बताते हैं कि जुलाई सीरीज में निफ्टी ने 80 फीसदी मामलों में बढ़त दर्ज की है और औसतन 3.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि 24,700 का स्तर बाजार के लिए अहम प्रतिरोध साबित हो सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में सबसे ज्यादा संभावनाएं निजी बैंकिंग और ज्वेलरी सेक्टर में दिखाई दे रही हैं। ब्रोकरेज का मानना है कि निजी बैंकों के शेयर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही टाइटन और कल्याण ज्वेलर्स जैसी आभूषण कंपनियों पर भी निवेशकों को नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है। इन कंपनियों के आगामी कारोबारी अपडेट शेयरों में अच्छी हलचल पैदा कर सकते हैं। जून सीरीज के प्रदर्शन पर नजर डालें तो निफ्टी करीब 0.2 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। मिडकैप सूचकांक में 0.8 फीसदी की कमजोरी रही, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक ने 3.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की। सेक्टरवार प्रदर्शन में मीडिया, रियल्टी, निजी बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, फार्मा और वित्तीय सेवा कंपनियों ने बेहतर रिटर्न दिया। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, एफएमसीजी और ऊर्जा क्षेत्र के शेयर दबाव में रहे।ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक जून सीरीज में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 3.3 अरब डॉलर के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 8.3 अरब डॉलर का निवेश किया गया।

मार्च 2026 में बैंकों का एनपीए घटकर 0.4 फीसद रहा, कृषि क्षेत्र में फंसे कर्ज का दबाव

46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां मार्च 2026 के अंत तक घटकर क्रमशः 1.8 फीसदी और 0.4 फीसदी रह गईं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार सभी बैंक समूहों में देखने को मिला। सभी प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में ऋण की गुणवत्ता बेहतर हुई है और कृषि क्षेत्र में सकल गैर निष्पादित परिसंपत्तियां अनुपात सबसे ज्यादा 5.1 फीसदी रहा। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जीएनपीए में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 37.2 फीसदी रही जो सबसे ज्यादा है।

जांच के मुताबिक सामान्य स्थिति में 46 बैंकों का कुल जीएनपीए अनुपात मार्च 2026 के 1.8 फीसदी से बढ़कर मार्च 2028 तक 1.9 फीसदी होने की संभावना है। वहीं दो तरह के प्रतिकूल हालात में यह बढ़कर क्रमशः 3.8 फीसदी और 4.1 फीसदी तक पहुंच सकता है। पहले प्रतिकूल हालात में माना गया कि भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ेगा, ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी और विनिमय दर पर दबाव रहेगा। इससे 2026-27 में घरेलू महंगाई बढ़ेगी और आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी। हालांकि, 2027-28 में हालात धीरे-धीरे सुधरने की संभावना है। दूसरे प्रतिकूल हालात में यह अनुमान लगाया गया है कि भू-राजनीतिक संघर्ष लंबे समय तक जारी रहेंगे और 2027-28 तक और ज्यादा क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे दोनों वर्षों में महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक चुने गए 46 बैंकों का कुल सामान्य इक्विटी टियर-1 पूंजी अनुपात मार्च 2026 के 15.2 फीसदी से घटकर मार्च 2028 तक सामान्य स्थिति में 13.9 फीसदी रह सकता है। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2026 के अंत तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 17.7 फीसदी और कॉमन इक्विटी टियर-1 अनुपात 15.3 फीसदी रहा।

सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र, दोनों के बैंकों ने मार्च 2026 में पूंजी पर्याप्तता अनुपात में बढ़ोतरी दर्ज की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि जोखिम-भारित परिसंपत्तियों की तुलना में पूंजी में ज्यादा तेजी से हुई बढ़ोतरी के कारण संभव हुई।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 1.62 लाख करोड़ रुपए हुआ

पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा

नई दिल्ली।

अप्रैल-मई में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़कर करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 गुना से ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रिकॉर्ड अधिशेष हस्तांतरण के बावजूद राजस्व संग्रह पर बढ़ते दबाव की वजह से सरकार का घाटा बढ़ा है। सीजीए द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक करीब 1.62 लाख करोड़ रुपए के घाटे की वजह से यह राजकोषीय घाटे के 19.96 लाख करोड़ रुपए बजट अनुमान का करीब 9.6 फीसदी हिस्सा है। अप्रैल-मई 2025 में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का केवल 0.8 फीसदी था।

सरकार की राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-मई में करीब 6.99 लाख करोड़ रहीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के करीब 7.08 लाख करोड़ रुपए से कम है। कर राजस्व और गैर कर राजस्व दोनों में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कुल प्राप्तियां अप्रैल-मई में 2 फीसदी घटकर करीब 7.19 लाख करोड़ रुपए रहीं, जो बजट अनुमान का करीब 20 फीसदी है। कर राजस्व में अप्रैल-मई में सरकार का उत्पाद शुल्क संग्रह करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए रहा, जो करीब 20 फीसदी कम है। यह मार्च के अंत में पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में की गई कटौती की वजह से हुआ है। सरकार ने दोनों ईंधनों पर प्रति लीटर करीब 10 रुपए उत्पाद शुल्क कम किया था।

राजस्व में कमी के बावजूद सरकार ने खासकर पूंजी सृजन पर खर्च की गति बनाए रखा। अप्रैल-मई में सरकार के पूंजीगत व्यय में 13 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई और यह करीब 2.51 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार, सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने करीब 12.22 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय लक्ष्य का करीब 21 फीसदी पहले दो महीनों में ही पूरा कर लिया है। रिजर्व बैंक से करीब 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरण किया गया, जिसके कारण इस महीने गैर-कर राजस्व करीब 13 फीसदी बढ़कर करीब 3.27 लाख करोड़ रुपए हो गया। केंद्रीय बैंक से अप्रत्याशित लाभांश के कारण सरकार ने लगातार तीसरे वर्ष मई में राजकोषीय अधिशेष दर्ज किया।इक्रा लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेज गिरावट से वित्त वर्ष 2027 में सरकार की राजकोषीय स्थिति सुधरी है।

जून में जीएसटी संग्रह ने छुआ नया रिकॉर्ड, 1.95 लाख करोड़ के पार

महाराष्ट्र फिर रहा शीर्ष पर, तमिलनाडु में गिरावट

नई दिल्ली।

जून 2026 में देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.95 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर को छू गया है। बुधवार 1 जुलाई को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह आंकड़ा बीते साल इसी महीने की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। पिछली बार जून 2025 में यह संग्रह 1.71 लाख करोड़ रुपये था, जिससे मौजूदा वृद्धि वित्तीय स्थिरता में सकारात्मक रुझान का संकेत देती है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू लेनदेन से प्राप्त सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से राजस्व में 34.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई, जो 60,038 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सिर्फ सकल राजस्व ही नहीं, बल्कि रिफंड चुकाने के बाद केंद्र सरकार की शुद्ध कमाई भी शानदार रही है। शुद्ध आधार पर, भारत सरकार के खाते में 1,62,377 करोड़ रुपये आए हैं, जो बीते साल के मुकाबले 11.2 प्रतिशत ज्यादा है। इस महीने कुल 32,436 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जो पिछले साल के 25,121 करोड़ रुपये की तुलना में 29.1 फीसदी अधिक है।

वहीं जीएसटी टैक्स के अलग-अलग हिस्सों में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 8 फीसदी बढ़कर 37,376 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 45,116 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू लेनदेन से होने वाला इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) भी 7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,282 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।वहीं राज्यों के जीएसटी कलेक्शन में महाराष्ट्र ने फिर अपना दबदबा कायम रखा, जिसका संग्रह 9 प्रतिशत बढ़कर 30,714 करोड़ रुपये हो गया। वृद्धि दर के मामले में उत्तर प्रदेश 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सबसे आगे रहा और कुल संग्रह 9,165 करोड़ रुपये दर्ज किया। गुजरात (12 प्रतिशत बढ़कर 11,743 करोड़), कर्नाटक (10 प्रतिशत बढ़कर 12,937 करोड़) और हरियाणा (9 प्रतिशत बढ़कर 10,065 करोड़) जैसे प्रमुख राज्यों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया।

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए – अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)

रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)

लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल – एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच

खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे – एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया
मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए; ओपनर बल्लेबाज़ ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अर्थव शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज़ पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

- ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ड्डष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन – 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा – 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान – 848 रेटिंग
फिल साल्ट – 792 रेटिंग
पाथुम निसांका – 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत – भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल – अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा– मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला – 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी – अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक

हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल – आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' – मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास – वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए ख्र्ष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'ख्र्ष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। ्यष्ट ने पिछले ्यष्टरु सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3935

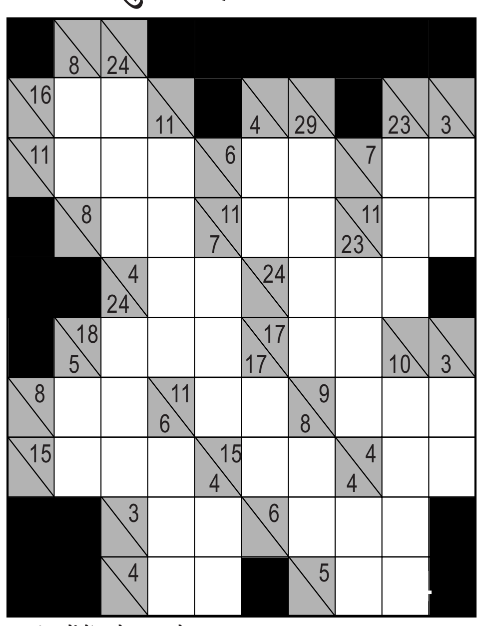

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

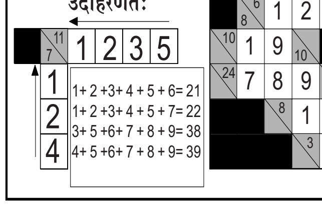

काकुरो - 3934 का हल

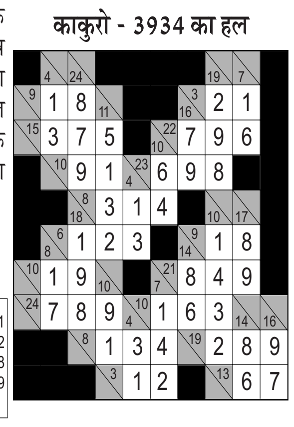

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा- 'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी- 'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा- 'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, वरेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया- 'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी- 'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा- 'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3935

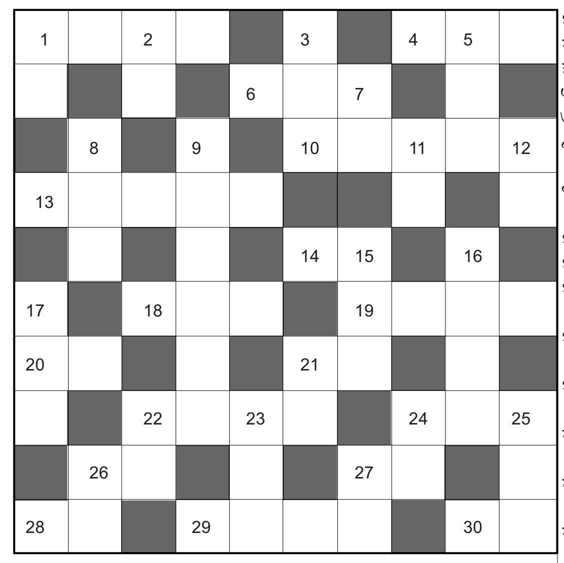

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3934

सूडोकु -3935

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3934 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली -3935

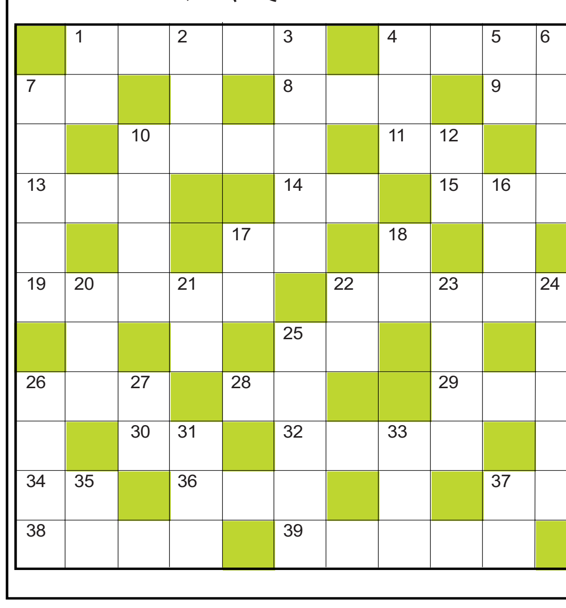

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -3934 का हल

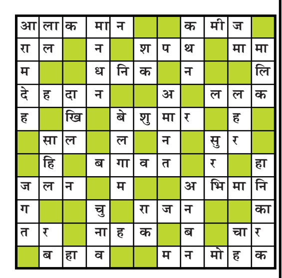

थायराइड

के मरीज को कभी नहीं करना चाहिए इन 5 चीजों का सेवन

थायरॉइड एक किस्म का हारमोन है। हमारे थायरॉइड ग्लैंड्स शरीर से आयोडीन लेकर इन्हें बनाते हैं। ये हारमोन हमारे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। जब ग्लैंड्स किसी वजह से ज्यादा हारमोन बनाने लगते हैं, तो उसे हम कहते हैं कि थायरॉइड बढ़ गया है। थायरॉइड का बढ़ा होना बड़ी दिक्कत देता है। महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार होती हैं। इससे वजन बढ़ने के साथ ही बेचैनी, ठीक से नींद न आना, पीरियड का टाइम पर न आना, दिल की धड़कन बढ़ना जैसी परेशानियां होने लगती हैं।

इसके इलाज के लिए डॉक्टर से मिलें और वक्त पर दवा लें। यह इतनी बड़ी बीमारी भी नहीं है कि काबू न आ पाए। इसके अलावा आपको इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी चीजें न खाएं, जिससे थायरॉइड से पैदा होने वाली परेशानियां और बढ़ जाएं। आइये आपको बताते हैं कि थायरॉइड में किन चीजों से परहेज जरूरी है।

कैफीन

कैफीन वैसे तो सीधे थायरॉइड नहीं बढ़ाता, लेकिन ये उन परेशानियों को बढ़ा देता है, जो थायरॉइड की वजह से पैदा होती हैं, जैसे बेचैनी और नींद में खलल। इसलिए आप कॉफी से थोड़ा दूर ही रहें तो ठीक है।

आयोडीन वाला खाना

हमने शुरू में ही बता दिया था कि थायरॉइड ग्लैंड्स हमारे शरीर से आयोडीन लेकर थायरॉइड हारमोन को पैदा करते हैं। ऐसे में जो लोग इसके ज्यादा होने से परेशान हैं, उन्हें ऐसे खाने से परहेज करना चाहिए, जिनमें खूब आयोडीन हो। सी फूड और आयोडीन वाले नमक को अवॉइड करें।

एल्कोहल

एल्कोहल यानी शराब, बीयर आदि शरीर में एनर्जी लेवल को प्रभावित करते हैं। इससे थायरॉइड से ग्रसित लोगों की नींद में दिक्कत की शिकायत और बढ़ जाती है। इसके अलावा इससे ओस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ जाता है। शराब तो किसी के लिए अच्छी नहीं होती। इसकी वजह से मोटापा भी बढ़ता है।

वनस्पति घी

भारत में आमतौर पर हम इसे डालडा घी बोलते हैं। इस घी को दरअसल वनस्पति तेल को हाइड्रोजन में से गुजारकर बनाया जाता है। इस घी का इस्तेमाल खाने-पीने की दुकानों में जमकर होता है। इससे अच्छे कॉलेस्ट्रॉल खत्म होते हैं और बुरे बढ़ते हैं। बढ़े थायरॉइड से जो परेशानियां पैदा होती हैं, ये उन्हें और बढ़ा देता है।

रेड मीट

रेड मीट में कॉलेस्ट्रॉल और सेचुरेडट फैट बहुत होता है। इससे वेट तेजी से बढ़ता है। थायरॉइड वालों का वेट तो वैसे ही आगे की ओर भागता है। इसके अलावा रेड मीट खाने से थायरॉइड के रोगियों को बदन में जलन की शिकायत होने लगती है। आप चिकन वगैरा ले सकते हैं, चिकन की चेस्ट में अच्छा प्रोटीन होता है और उससे फैट बढ़ने की दिक्कत नहीं होती।

योग से दूर करें थायराइड

थायराइड की समस्या थॉयरॉक्सिन हार्मोन के असंतुलन के कारण होती है। इस हार्मोन की वजह से पूरे शरीर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिसमें ऊर्जा में कमी, चिड़चिड़ापन, वजन असंतुलन, रक्तचाप आदि लक्षण शामिल हैं। योग से शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कायाकल्प प्राचीन पद्धति का तरीका है। योग के विभिन्न आसन थायराइड पर नियंत्रण पाने के लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए आपको नियमित योगाभ्यास की जरूरत होती है। आइए जानें कौन-कौन से आसन करके थायराइड के रोग को योग द्वारा भगाया जा सकता है।

विपरीत करणी आसन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं फिर अपने दोनों हाथों और दोनों पैर आपस में जोड़ें। अब दोनों पैरों को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। पहले 30 डिग्री, फिर 60 डिग्री और 90 डिग्री तक आकर पैरों को रोक लें। अब दोनों हाथों को नितंबों पर रखकर पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों कुहनियों को जमीन पर ही रखें। अब पैरों को सीधा रखें और हथेलियों के सहारे कमर को ऊपर उठाने का प्रयास करें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस हाथों के सहारे कमर को नीचे लाएं। फिर पैरों को 90 डिग्री के कोण पर लाएं और इस स्थिति में थोड़ी देर रूकें। **यह योग उन लोगों को नहीं करनी चाहिए जिन्हें हाई ब्लडप्रेशर या हर्ट से संबंधित, स्पोंडलाइटिस और स्लिप-डिस्क की शिकायत है।**

मत्स्यासन व हलासन

मत्स्यासन में पीठ के बल सीधा जमीन पर लेट जाएं फिर अपने पैरों को आपस में जोड़ लें। अब दोनों हाथों को गर्दन की पास रखें और हथेलियों का सहारा लेते हुए गर्दन को उठाने का प्रयास करें। अब दोनों हाथों को जांघ पर रखें। वापस आते समय दोनों हथेलियों के सहारे गर्दन को दोबारा उसी स्थिति में वापस ले आएं। हलासन में पीठ के बल लेट कर अपने पैरों को मिला लें। अब धीरे-धीरे दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं और पैरों को 30, 60 और 90 डिग्री के कोण पर लाकर रोकें। अब दोनों हाथों पर जोर देकर पैरों को सिर की ओर थोड़ा सा झुकाएं। जब पैर जमीन को स्पर्श करने लगे, तो दोनों हथेलियों को क्रॉस करके बांधे और सिर पर रखें।

ब्रह्ममुद्रा व नाड़ीशोधन प्राणायाम

ब्रह्ममुद्रा आसन के लिए वज्रासन में या अपनी कमर सीधी करके बैठें और गर्दन को 10-15 बार ऊपर-नीचे, और फिर दाएं-बाएं करें। और इतनी ही बार क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाएं। नाड़ीशोधन प्राणायाम में कमर और गर्दन सीधी करके बैठें और फिर एक नाक से धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लेकर दूसरे नाक से निकालें। यही क्रिया फिर दूसरी नाक से भी करें। इस कम से कम 10 बार दुहराएं।

उष्ट्रासन व धनुरासन

घुटनों पर खड़े हो जाएं। फिर पीठ को पीछे की ओर झुकाते हुए दोनों हाथों से एड़ियों को पकड़कर गर्दन पीछे की ओर झुकाएं और पेट को आगे की तरफ उठाएं। चूंकि इस आसन में शरीर ऊंट की आकृति जैसा हो जाता है। इसलिए इसे उष्ट्रासन कहा जाता है। इस स्थिति में 10-15 बार सांस धीरे-धीरे लें और छोड़ें। धनुरासन में पेट के बल लेटकर दोनों टखनों को पकड़ लें। (इस आसन में शरीर धनुष के सामान हो जाता है।) फिर गर्दन, सिर, छाती और घुटनों को ऊपर उठाकर 10-15 बार धीरे-धीरे लंबी और गहरी सांस लें और छोड़ें।

(यह सब आसन थायराइड को दूर करने के लिए है पर आप इस बात का ध्यान रखें कि इन आसनों को किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।)

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

आलोचकों पर बरसे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' के लॉन्च पर पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो उनकी चुप्पी या उनके बोलने पर हमेशा सवाल उठाते रहते हैं। एक्टर ने कहा कि उनके बोलने और न बोलने दोनों पर ही लोगों को शिकायत रहती है।

75 साल के इस एक्टर ने अपने ऊपर होने वाली लगातार आलोचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में यह समझ आया है कि आलोचना से बचा नहीं जा सकता। चेन्नई में हुए इस इवेंट में रजनीकांत ने कहा कि अब उन्हें भाषण देने के लिए बुलाए जाने पर हिचकिचाहट होती है, क्योंकि अक्सर उनकी बातों पर चर्चा होने लगती है। उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे बोलने के लिए कहता है, तो मैं हिचकिचाने लगता हूं। क्योंकि जब भी मैं बोलता हूं, तो कोई न कोई समस्या खड़ी हो जाती है, या तो मेरे लिए या आपके लिए। सुपरस्टार ने आगे यह भी कहा कि जब वे बोलते हैं, तो लोग अक्सर उनके बयानों पर सवाल उठाते हैं या तर्क देते हैं कि उन्हें किसी विशेष मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए था। अगर मैं बोलता हूं, तो कुछ लोग कहेंगे, 'उन्होंने अभी क्यों बोला?' जबकि अन्य कहेंगे कि उन्हें बोलना ही नहीं चाहिए था। कई साल बाद मुझे एक बात समझ आई है, जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे हमें तब भी पसंद नहीं करेंगे, चाहे हम कुछ भी कर लें। यह सोचना बेवकूफी है कि जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हमारे हर काम को पसंद करेंगे। इसलिए सावधान रहना जरूरी है। हर किसी से अपने कामों के लिए मंजूरी की उम्मीद करना सही नहीं है और लोगों को सावधान रहना सीखना चाहिए।

रजनीकांत की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

हाल ही में रजनीकांत को उनके राजनीतिक रुख या राजनीतिक नेताओं के साथ मुलाकातों के लिए काफी ट्रोल किया गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास डायरेक्टर नेल्सन की 'जेलर 2' भी है, जिसके कुछ महीनों में रिलीज होने की उम्मीद है। वहीं कमल हासन के साथ उनकी फिल्म, जिसे नेल्सन डायरेक्ट करेंगे, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

मेरे लिए करियर का टर्निंग पॉइंट है 'वेलकम टू द जंगल'

भोजपुरी स्टार और सिंगर अक्षरा सिंह इन दिनों काफी खुश हैं। हाल ही में वे बॉलीवुड फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आई हैं। इसके बाद अब उन्होंने गाने के बाद मिली पॉपुलैरिटी को लेकर और अक्षय कुमार के साथ काम करने पर बात की है। एक इंटरव्यू में अक्षरा सिंह ने कहा, 'मैं अहमद सर, गणेश आचार्य सर और अक्षय सर की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है और मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।'

अक्षरा ने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस गाने के लिए फोन आया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें थोड़ा डर लगा था। अक्षरा ने कहा, 'मुझे अहमद सर के प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया और बताया गया कि 'वेलकम टू द जंगल' में एक गाना है, जो मुझे करना है। पहले मैं थोड़ा हिचकिचाई, लेकिन बाद में गणेश आचार्य सर का फोन आया और उन्होंने मुझे समझाया। जैसे ही मैंने उनका और अक्षय सर का नाम सुना, मैं पूरी तरह से ब्लैंक हो गई।'

मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था

उन्होंने आगे कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी थी, लेकिन मेरे अंदर का बच्चा बहुत नर्वस था। मैं इतनी घबराई हुई थी कि वॉशरूम तक जाना पड़ा। यह मेरे लिए एक फैनगर्ल मोमेंट था। कल तक मैं टीवी पर अक्षय सर की फिल्में देखती थी और ताली बजाती थी, और आज उनके साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। मुझे लगा जैसे जिंदगी खुद अपनी कहानी लिख रही है।'

अली गोनी से शादी के लिए तैयार हैं जैस्मिन भसीन

टीवी सीरियल की दुनिया में अली गोनी और जैस्मिन भसीन चर्चित नाम हैं। दोनों काफी समय से रिलेशनशिप में भी हैं। शादी को लेकर भी यह कपल सीरियस है। हाल ही में अली गोनी ने एक इंटरव्यू में जिक्र किया कि वह शादी को लेकर प्लान बना रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई हालिया बातचीत में अली गोनी ने कहा, 'मेरी मम्मी बोल रही हैं कि शादी कर लो। जैस्मिन भी तैयार है, मैं भी बिल्कुल तैयार हूं।' आगे वह थोड़ा शरमाते हैं और कहते हैं, 'हो सकता है कि जल्द ही आपको कोई खबर मिले। प्लान हो सकता है।' अली गोनी ने साल 2020 में डेट करना शुरू किया था लेकिन शुरुआत में अपना रिश्ता छिपाकर रखा। फिर अचानक अली गोनी जैस्मिन से मिलने के लिए 'बिग बॉस 14' रियलिटी शो में पहुंचे। इस दौरान ही फैंस को इनके रिश्ते के बारे में पता चला। आगे चलकर दोनों ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक के सामने स्वीकार भी किया। अली गोनी जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। एक्टिंग के अलावा वह बिजनेस भी करते हैं। पिछले दिनों 'लाफ्टर शेफ 3' में भी नजर आए। इस शो में वह अपने मस्ती भरे अंदाज और कुकिंग स्किल्स की वजह से पॉपुलर हुए।

रीशूट होगी सिद्धार्थ तमन्ना स्टारर 'वन'

इंडियन सिनेमा में पिछले कुछ वर्षों में हॉरर फिल्मों की भाषा तेजी से बदली है। अब केवल डराने वाले सीन नहीं, बल्कि माहौल, लोककथाएं और मनोवैज्ञानिक तनाव भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी बदलते दौर में 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपने एक्स्ट्रा शूट शेड्यूल को लेकर चर्चा में है। फिल्म की टीम ने करीब 10 दिनों की नई शूटिंग का फैसला किया है। यह निर्णय किसी तकनीकी कमी या कहानी में बड़े बदलाव की वजह से नहीं लिया गया, बल्कि इसलिए कि फिल्म के हॉरर, सस्पेंस और खासकर अंतिम हिस्से को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि टीम मौजूदा फुटेज से संतुष्ट है, लेकिन उन्हें लगा कि क्लाइमैक्स में कुछ ऐसे अवसर मौजूद हैं जिनसे तनाव और सिनेमाई असर को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है।

घने जंगल और लोककथा के जरिए कहानी में पैदा होगा डर

निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और अरुनाभकुमार इस फिल्म को पारंपरिक हॉरर से अलग रूप देना चाहते हैं। फिल्म भारतीय लोककथाओं, जंगलों और रहस्यमयी मान्यताओं से प्रेरित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहानी में बिहार के दरभंगा क्षेत्र और छठ पर्व की सांस्कृतिक झलक भी शामिल की गई है।

फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा

सूत्रों के अनुसार फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा। कई हिस्सों की शूटिंग वास्तविक लोकेशनों पर और सीमित कृत्रिम रोशनी के बीच की गई है ताकि सीन्स ज्यादा वास्तविक और रहस्यमयी महसूस हों। मेकर्स का फोकस ऐसे अनुभव पर है जहां हर आवाज और हर छाया कहानी का हिस्सा लगे।

फाइनल कट के बाद टीम को लगा कुछ कमी रह गई है

बताया जा रहा है कि फाइनल कट देखने के बाद टीम को लगा कि अंतिम हिस्से में तनाव और भावनात्मक असर को और बढ़ाया जा सकता है। इसी वजह से कुछ हॉरर सीक्वेंस और क्लाइमैक्स वाले विजुअल्स पर दोबारा काम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया बड़े स्केल की फिल्मों में अक्सर अपनाई जाती है ताकि दर्शकों को ज्यादा इमर्सिव अनुभव मिल सके।

वीएफएक्स के साथ बनेगा नया सिनेमैटिक यूनिवर्स

फिल्म में वीएफएक्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स दोनों का मेल रखा गया है ताकि स्क्रीन पर कृत्रिमता कम लगे। रिलीज से पहले 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी लाई गई है।

हम पूरी श्रद्धा के साथ 'रामायण' बना रहे हैं

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म से रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद से फैंस इस फिल्म की हर अपडेट को लेकर और भी उत्सुक हैं। फिल्म की कास्टिंग से लेकर इसके बड़े पैमाने और वीएफएक्स तक कई वजहों से इसकी चर्चा हो रही है। अब फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे ने दर्शकों के लिए एक मैसेज में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदों पर बात की है।

हम पूरी तरह से इसके साथ न्याय करने की कोशिश कर रहे हैं

हालिया बातचीत में रवि दुबे ने फिल्म और इसे बनाने के तरीके के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत और रामायण एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। वे एक ही हैं। जहां तक तैयारी की बात है, हम उस पर बाद में चर्चा करेंगे। यह हमारा इतिहास और हमारी धरोहर है और हम इस पर जितना ज्यादा काम कर सकते हैं, अपनी क्षमता के अनुसार इसके साथ न्याय करने की उतनी ही कोशिश करेंगे। यह एक शानदार अनुभव रहा है। फिल्म से दर्शकों को क्या उम्मीद करनी चाहिए, इस बारे में बात करते हुए रवि दुबे ने कहा कि हम यह फिल्म पूरी श्रद्धा के साथ बना रहे हैं। आप भी श्रद्धा के साथ इंतजार करें।

फिल्म से सामने आ चुका है रणबीर का लुक

इस साल की शुरुआत में 'रामायण' का पहला लुक यानी टीजर जारी किया गया था। इसमें रणबीर को भगवान राम के रूप में दिखाया गया था, साथ ही उन असुरों की झलक भी थी जिनसे वे लड़ते हैं, रावण की झलक और युद्ध के भी कई सीन दिखाए गए थे। इस टीजर को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। जहां कई लोगों ने राम के किरदार में रणबीर की तारीफ की थी। हालांकि, वहीं इतनी बड़ी फिल्म के वीएफएक्स की आलोचना भी हुई। तब से कई लोग इस उम्मीद में अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं कि वीएफएक्स को बेहतर कर लिया गया होगा। मेकर्स ने भी वीएफएक्स पर काम करने की बात कही थी।

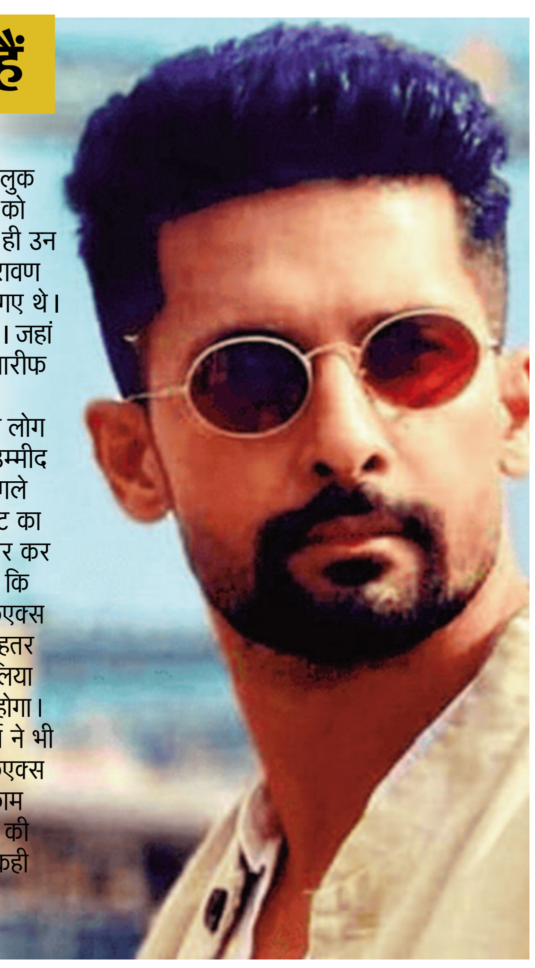

इम्तियाज अली नहीं बनाना चाहते अपनी फिल्मों का सीक्वल

इम्तियाज अली हिंदी सिनेमा के उन फिल्मकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने प्रेम कहानियों और रिश्तों को एक अलग नजरिए से पर्दे पर पेश किया। 'जब वी मेट', 'लव आजकल' और 'रॉकस्टार' जैसी उनकी फिल्में कल्ट क्लासिक में गिनी जाती हैं और दर्शक भी आए दिन इन फिल्मों के सीक्वल की मांग करते हैं। मगर इम्तियाज अली सीक्वल बनाने में यकीन नहीं रखते। इम्तियाज अली इस वक्त अपनी हालिया रिलीज 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है, खूब कमा रही है और तारीफें बटोर रही है। जब इम्तियाज अली से पूछा कि क्या वह अपनी किसी फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर कोई ऐसी कहानी है जो नेचुरली आए और लगे कि यह सीक्वल हो सकता है, तब तो ठीक है। वरना सिर्फ मार्केटिंग के लिए सीक्वल बनाने में मैं यकीन नहीं करता हूं। मुझे मालूम है कि अगर 'जब वी मेट' या 'रॉकस्टार' का सीक्वल बनेगा तो कम से कम लोगों में जिज्ञासा आएगी और बॉक्स ऑफिस पर एक ओपनिंग लग जाएगी। तब क्या होगा कि फिल्म कैसी भी हो, पैसे तो बन ही जाएंगे। मगर मेरी यह सोच नहीं है और न मुझे यह पसंद है। वैसे मैं सीक्वल्स के पक्ष में नहीं रहता क्योंकि बतौर फिल्ममेकर आपको मजा भी तब आता है, जब आप एक नए रास्ते पर निकलते हो।'

हर फिल्म पिछली से जुदा क्यों?

इम्तियाज की ज्यादातर फिल्में अपनी पिछली फिल्म से बिल्कुल जुदा होती हैं। इस बारे में वह कहते हैं, 'मुझे पहले वाला काम पसंद नहीं आता। जो काम मैं कर चुका हूं, दोबारा करने में उतना मज़ा नहीं आता है और मुझे ऐसा लगता है कि हम अलग-अलग तरह की फिल्में बनाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं। तो एक तरह के अनुभव से आपने कुछ सीखा, दूसरे से आप कुछ और सीखोगे।'

युवा चाहते हैं उम्र भर चलने वाली मोहब्बत

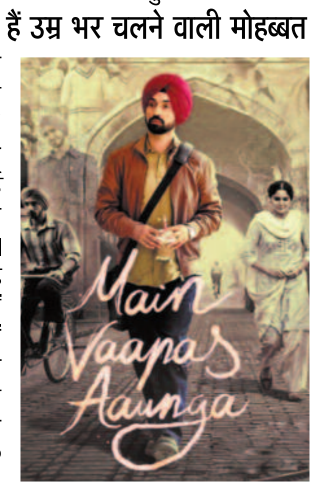

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन के समय शुरू हुई प्रेम कहानी पर आधारित है। मगर इस तरह की कहानियों पर फिल्में दशकों से बन रही हैं। तो फिर क्यों इम्तियाज ने यह विषय चुना? वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने की सोच तो विभाजन और उसकी जो लव स्टोरीज हैं, उनसे शुरू हुआ। इसको देखकर जो आज के लोग हैं, वो बहुत हैरान होते हैं। वो यह सोचकर हैरान हैं कि हमारे दादाजी 78 सालों बाद भी किसी को याद कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ऐसा हमारी जिंदगी में क्यों नहीं मुमकिन हो सकता। हमें भी इस तरह की मोहब्बत चाहिए जो उम्र भर चले।' इस फिल्म में लीड किरदार दिलजीत ने निभाया है जो उनकी पिछली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के भी हीरो थे। इस पर इम्तियाज कहते हैं, 'पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ही एक्टर दो फिल्मों में लगातार एक के बाद एक कास्ट हुआ हो। और यह संजोग है कि दोनों फिल्मों के लिए दिलजीत ही फिट थे। जब हम 'चमकीला' कर रहे थे तो इस फिल्म में भी वही एक्टिंग करेंगे, इस बात का कोई पता नहीं था। यह कैरेक्टर भी उस वक्त तक पूरी तरह से बना नहीं था।

प्रेम की परिभाषा बहुत बदली है

'जब वी मेट' को करीब-करीब दो दशक का समय हो चुका है। इतने समय में प्यार को लेकर विचारों में क्या बदलाव आया है? यह पूछने पर इम्तियाज़ कहते हैं, 'परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहले लगता है कि यही एक परिभाषा है। इतनी सारी फिल्मों के बाद हर चीज़ की समझ, पहचान और परिभाषा बदली है। जिसको हम प्यार कहते हैं या प्रेम का रिश्ता कहते हैं, उसकी परिभाषा बहुत ज्यादा बदली है। जो भी बदलाव आया है, वह मेरे ख्याल से मेरी फिल्मों में ही झलकेगा।'

ओटीटी चैलेंज नहीं सुविधा है

जब उनसे पूछा गया कि क्या ओटीटी के दौर में आप कोई चैलेंज महसूस करते हैं? तो वह बोले, 'ओटीटी आज के दौर में चैलेंज नहीं है। असल में यह एक सुविधा है हमारे पास कि हम इस तरह की भी कहानियां बना सकते हैं। जैसे 'चमकीला' ओटीटी के लिए थी। एक और शो भी हम बना रहे हैं, सीरीज भी बना रहे हैं। तो वह सब ओटीटी में आएंगी। इसको मैं चैलेंज नहीं समझता, बल्कि यह एक अच्छी चीज है कि हमारे पास दूसरा भी साधन मौजूद है। अगर चाहें तो हम उसमें भी काम कर सकते हैं। एक और अच्छी चीज इसमें यह होगी कि हमें समझ में आ जाएगा कि ओटीटी के शो बनाने के लिए कौन सी कहानी फिट है और बड़े पर्दे के लिए कौन सी कहानी बेहतर है।'

संक्षिप्त समाचार

आंग सान सू के बेटे ने मांगा मां के जिंदा होने का सबूत

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की जेल में बंद लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की के बेटे किम एरिस ने जुंटा सरकार से उनकी मां के जीवित होने का ठोस सबूत मांगा है। एरिस को संदेह है कि उनकी 80 वर्षीय मां को घर में नजरबंद रखने के बजाय अब भी जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा कि उनके पास स्थानांतरण का कोई सबूत नहीं है। वे तख्तापलट के बाद से हिरासत में हैं। उनके बेटे ने उनकी रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव की मांग की है।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में थाई एयरलाइन का कर्मी गिरफ्तार

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने मेलबर्न हवाई अड्डे पर एक थाई एयरलाइन कर्मचारी को एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। 26 वर्षीय महिला बृहस्पतिवार को एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान ड्यूटी पर थी। सामान की जांच के दौरान बैग की अस्तर में छिपाकर रखा गया सफेद पाउडर बरामद हुआ। शुरुआती जांच में इसके हेरोइन होने की पुष्टि हुई है। जब्त ड्रग्स की बाजार कीमत करीब 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर आंकी गई है।

लापता विमान के लिए खोजी अभियान 2027 तक रहेगा जारी

कुआलालंपुर , एजेंसी। मलेशिया ने 12 साल पहले लापता हुए मलेशिया एयरलाइंस के विमान की तलाश के लिए समुद्री रोबोटिक्स कंपनी ओशन इन्फिनिटी के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। परिवहन मंत्री एंथनी लोक ने बताया कि यह समझौता नो-फाइंड, नो-फी के आधार पर 30 जून 2027 तक प्रभावी रहेगा। कंपनी को विमान का मलबा मिलने पर ही 7 करोड़ डॉलर का भुगतान किया जाएगा यह अभियान नवंबर से अप्रैल के बीच शुरू होने की उम्मीद है।

बाइडन का ट्रंप पर निशाना कहा- लूजर, शान-शौकत को देते हैं ज्यादा अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक लूजर (असफल) व्यक्ति कहते हुए फिर से जुबानी हमला किया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रक्रियाओं में विफलता और राष्ट्रीय कामकाज से ज्यादा अपनी निजी शान-शौकत को अहमियत देने का आरोप लगाया। हेनोवर में मेरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी के एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में बाइडन ने वाशिंगटन में जारी कई निर्माण व नवीनीकरण प्रोजेक्टों की निंदा की। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में संरचनात्मक बदलावों पर निशाना साधा। उन्होंने व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में बदलाव, ट्रायम्फल आर्च (विजय स्मारक) के प्रस्तावित ढांचे और लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के बड़े पैमाने पर किए गए बदलावों की साफतौर पर निंदा की।

सिंगापुर : वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम को निर्विरोध महासचिव चुना

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम सिंह को एक बार फिर अपना महासचिव चुन लिया है। यह फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में उन्हें साथी सांसद से जुड़े मामले में संसद में झूठ बोलने का दोषी ठहराया जा चुका है। सिंह (50) को पार्टी सदस्यों ने निर्विरोध महासचिव चुना। वर्कर्स पार्टी सिंगापुर के सबसे छोटे विपक्षी समूहों में से एक है।

255 किलो वजन वाले सात वर्षीय बच्चे की मौत, माता-पिता पर हत्या का केस

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में सात वर्षीय कैस्पर ओ'ब्रायन की मौत के मामले में उसके माता-पिता पर हत्या, यातना और बाल उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। बच्चे का वजन 116 किलोग्राम था और पोस्टमार्टम में उसकी मौत का कारण हृदय रोग बताया गया, जिसमें मोटापा भी एक प्रमुख वजह था। बच्चा बिस्तर पर पड़ा रहता था, उसके शरीर पर गंभीर घाव थे और घर की हालत भी बेहद खराब थी। दंपति न्यायिक हिरासत में है।

एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी में चीनी कारोबारी गुओ वेंगुई को 30 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने चीन के निर्वासित अरबपति कारोबारी गुओ वेंगुई को एक अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में 30 वर्ष की जेल की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार, गुओ ने हजारों निवेशकों को फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाकर भारी रकम जुटाई और उससे आलीशान जीवन बिताया। अदालत ने कहा कि उसने लोकतंत्र समर्थकों का भरोसा तोड़ा और अपने कृत्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं ली। गुओ ने खुद को निर्दोष बताते हुए मामले को चीन की साजिश करार दिया।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, यौन हमला मामले में नहीं मिली राहत, 43 करोड़ का जुर्माना बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 29 जून को यौन हमला मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत बड़ा झटका दिया है। जूरी के पुराने फैसले को पलटने की ट्रंप की अपील को शीर्ष अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप को इस कानूनी मामले में राहत मिलने की सभी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। कोर्ट ने बिना कोई विशेष कारण बताए इस मामले में जूरी के फैसले को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

अदालत ने माना है कि ट्रंप ने पूर्व लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन हमला और उनकी भारी मानहानि की थी। इस सख्त फैसले के तहत उन्हें 50 लाख डॉलर यानी करीब 43 करोड़ रुपये का भारी-भरकम हर्जाना देना होगा। 9 मई 2023 को मैनहैटन की एक फेडरल अदालत ने 1996 में हुई इस घटना के लिए उन्हें दोषी ठहराया था। ट्रंप ने अदालत के इस फैसले पर अपनी भारी नाराजगी जताते हुए इसे पूरी तरह से एक फर्जी मामला बताया है।

कैरोल का यौन उत्पीड़न दावा : अब 82 साल की हो चुकीं पूर्व कॉलम लेखिका ई. जीन कैरोल ने 2019 में छपी अपनी किताब में यह बड़ा दावा किया था। उन्होंने बताया था कि 23 साल पहले न्यूयॉर्क के एक डिपार्टमेंट स्टोर के ट्रायल रूम में उनके साथ दुष्कर्म हुआ था। इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें पागल महिला कहा था और किसी भी तरह की मुलाकात से साफ इनकार किया था। ट्रंप का कहना था कि दशकों पुरानी एक तस्वीर सबूत नहीं हो सकती जिसमें वह कैरोल और उनके पति के साथ खड़े हैं।

ट्रंप के दावे और कड़ा बचाव : डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि वह ई. जीन कैरोल नाम की इस महिला से अपनी जिंदगी में कभी नहीं मिले। उनके अनुसार दशकों पुरानी एक साधारण सी तस्वीर को आधार बनाकर उनके खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है। उन्होंने देश की कानूनी व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए इसे कानून का गलत इस्तेमाल और बेवकूफी भरा दावा बताया है। कैरोल की वकील रोबर्टा कैपलन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जूरी के सर्वसम्मत फैसले की ऐतिहासिक जीत है।

न्याय विभाग की नई आपराधिक जांच : इसी साल मई के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने ई. जीन कैरोल के खिलाफ एक आपराधिक जांच शुरू की है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार जांच का मकसद यह पता लगाना है कि क्या कैरोल ने गवाही के दौरान शपथ लेकर झूठ बोला था। कैरोल ने अदालत में कहा था कि उन्हें इस मामले में किसी भी बाहरी व्यक्ति से आर्थिक मदद नहीं मिली है। जबकि बाद में यह सच सामने आया था कि अरबपति रीड हॉफमैन ने उनकी कानूनी फीस का एक बड़ा हिस्सा चुकाया था।

राजनीतिक विरोधियों पर सीधा निशाना : इस ताजा जांच ने फिर इस बात को मजबूती से साबित कर दिया है कि ट्रंप एक नया राजनीतिक दांव चल रहे हैं। न्याय विभाग का इस्तेमाल कर ट्रंप अपने निजी राजनीतिक विरोधियों को लगातार निशाना बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कैरोल के पक्ष का मानना है कि यह फैसला साफ करता है कि ट्रंप ने यौन हमला किया था। इस कानूनी लड़ाई में 43 करोड़ रुपये का जुर्माना बरकरार रहना ट्रंप के लिए चुनावी साल में एक बहुत बड़ा झटका है।

ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर बोले- अंतिम चरण में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिकी के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका-इंडिया ट्रेड डील अपने 'आखिरी चरण' में है और बातचीत का सिर्फ आखिरी एक फीसदी ही बाकी है. उन्होंने भरोसा जताया कि करीब 18 महीने की बातचीत के बाद यह डील जल्द ही पक्की हो जाएगी.

यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि वह इस समझौते को पूरा करने के लिए पक्के इरादे वाले हैं, क्योंकि यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा. उन्होंने कहा, 'हम इस डील के आखिरी चरण में हैं. इस डील का ज्यादातर हिस्सा पूरा हो चुका है. दोनों तरफ कुछ चीजें बाकी हैं. यह उस डील का आखिरी 1 परसेंट हिस्सा है.'

भारत में अमेरिका के राजदूत ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को लेकर उम्मीद जताई और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पर्सनल इक्वेशन का जिक्र किया, जो रिश्तों को आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने कहा, 'लोग पूछते हैं, इसमें इतना समय क्यों लग रहा है? हम डेढ़ साल से इस पर काम कर रहे हैं.

इसे सही नजरिए से देखें तो हम 20 साल से ट्रेडिंग कर रहे हैं. इसलिए कोई बात नहीं, एक बार जब हम यूरोपियन डील को हरा देंगे, तो मुझे लगता है कि हम अच्छी हालत में होंगे, लेकिन मैं इसे खत्म करने का पक्का इरादा रखता हूँ.'

अमेरिकी दूत ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास भारत दौरे की बहुत अच्छी यादें हैं और वह अब भी इसके बारे में बात करते रहते हैं. गोर ने कहा, 'पिछली बार उनका दौरा, उनके सबसे खास दौरों में से एक था जिसके बारे में वह अब भी बात करते हैं. वह इसे बहुत खास जगह देते हैं. यह एक अविश्वसनीय बात है. इसलिए मैं राष्ट्रपति ट्रंप के भारत वापस आने का इंतजार कर रहा हूँ.' राजदूत ने यह भी बताया कि क्वाड के विदेश मंत्री अब से लगभग दो हफ्ते में फिलीपींस में मिलने वाले हैं.

ऑस्ट्रेलिया: बच्चों के सोशल मीडिया खाते रोकने में नाकामी पर दोगुना जुर्माना

कैनबरा, एजेंसी। दुनिया में ऑस्ट्रेलिया ऐसा पहला देश रहा जिसने दिसंबर 2025 में बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदी लगाते हुए कंपनियों पर सख्ती बरती, लेकिन कंपनियां इसे पूरी तरह नहीं मान रही हैं। इसे लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार बच्चों को खाता बनाने से रोकने में नाकाम रहने के चलते फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों पर संभावित जुर्माने को दोगुना करने की योजना बना रही है।

आलोचकों का कहना है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर लगाया गया दुनिया का पहला प्रतिबंध कारगर नहीं है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने सोमवार को कहा, इन आयु-सीमा नियमों का सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा पर्याप्त पालन नहीं किए जाने के कारण कानून को और सख्त बनाने की जरूरत पड़ी है। यह कानून 10 दिसंबर से लागू हुआ था। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) से वेल्स ने कहा, हम सभी चाहते हैं कि यह व्यवस्था बेहतर तरीके से काम करे, लेकिन बड़ी कंपनियां इसे गंभीरता से नहीं ले रही हैं। सरकार अब

यह जुर्माना बढ़ाकर 6.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर करने जा रही है।

ई-सेफ्टी आयुक्त को मिलेंगे अधिक अधिकार : ऑस्ट्रेलिया सरकार इस सप्ताह संसद में एक मसौदा विधेयक पेश करने जा रही है। सरकार के अनुसार, प्रस्तावित संशोधनों के तहत ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट को भी अधिक अधिकार दिए जाएंगे, ताकि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों से आवश्यक जानकारी और दस्तावेज मांग सकें कि वे ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन कर रही हैं या नहीं।

पुतिन के मिसाइल हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत; रूस ने औद्योगिक शहरों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जहां युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के हुए हमलों में ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने से न केवल यूक्रेन में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है, बल्कि रूस के भीतर भी ईंधन संकट पैदा हो गया है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइलों का तांडव : रूस की ओर से सोमवार को किए गए भीषण हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई शहरों को दहला दिया। ये हमले उस समय हुए जब लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर मौजूद थे, जिसके कारण हताहतों की संख्या काफी अधिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि मलबे और गंभीर रूप से घायलों की स्थिति को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सबसे दर्दनाक मंजर

यूक्रेन के निप्रो शहर में देखने को मिला, जहां एक रूसी मिसाइल सीधे एक मिनी बस से जा टकराई। इस हमले में 6 निर्दोष लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया क्षेत्र में भी रूसी हमलों ने 3 लोगों की जान ले ली, जबकि खार्कीव में एक युवती की मौत और 10 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

रूस के भीतर 'तेल का अकाल' : यूक्रेन ने भी इस युद्ध में अपनी रणनीति बदलते हुए रूस के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों पर सीधा प्रहार किया है। यूक्रेनी सेना ने रूस की कई बड़ी रिफायनरियों, तेल-गैस गोदामों और प्रमुख पाइपलाइनों को निशाना बनाया है। इन सटीक हमलों का परिणाम यह हुआ है कि रूस की राजधानी मास्को सहित देश के दक्षिणी हिस्सों और रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया में पेट्रोलियम पदार्थों का गंभीर संकट पैदा हो गया है। रूसी अधिकारियों को मजबूरन इन क्षेत्रों में ईंधन की बिक्री को सीमित करना पड़ा है। यूक्रेन के इन हमलों ने न केवल रूस की घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को हिला दिया है, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस निर्यात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पुतिन की उच्चस्तरीय बैठक यूक्रेन का आरोप है कि रूस जानबूझकर उसके प्रमुख औद्योगिक शहरों निप्रो, जपोरीजिया और खार्कीव को निशाना बना रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त किया जा सके। रूस के इन हमलों से यूक्रेन को जान और माल दोनों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरी ओर, रूस के भीतर बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक आपातकालीन उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के दौरान पुतिन ने स्वीकार किया कि तेल ठिकानों पर हमलों के बाद स्थिति काफी मुश्किल' बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस संकट पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया जाएगा और इसके लिए सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

शी जिनपिंग को बगावत का डर या करप्शन पर एक्शन? टॉप अफसरों को हटाने के मायने

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस से 6 सीनियर सैन्य अधिकारियों सहित कुल 13 सदस्यों को हटा दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। एनपीसी की स्थायी समिति की ओर से जारी नोटिफिकेशन में हटाए गए अधिकारियों के खिलाफ विस्तृत कारण नहीं बताए गए, लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। हटाए गए सैन्य अधिकारियों में जनरल शू श्वेचियांग, जनरल ली फेंगबियाओ, जनरल गुओ पुशियाओ, वांग कांगपिंग, झांग मिंगहुआ और यिन होंगशिंग शामिल हैं। इनमें से कई अधिकारी पीएलए के विभिन्न थिएटर कमांड, साइबर स्पेस फोर्स और उपकरण विकास विभाग जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जानकारों का कहना है कि इन अधिकारियों में से कुछ लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से गायब थे या उनकी गतिविधियों पर पहले से ही सवाल उठ रहे थे, जिससे उनके खिलाफ जांच की अटकलें लगाई जा रही थीं।

भ्रष्टाचार के आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया : सैन्य अधिकारियों के अलावा चीन के पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युन्ज़े और पूर्व शिनजियांग पार्टी प्रमुख मा शिंगरुई को भी एनपीसी की सदस्यता से हटा दिया गया। इन दोनों को भी हाल के महीनों में जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। चीन के सरकारी मीडिया ने केवल इतना कहा कि संबंधित निकायों के फैसले के आधार पर इन सदस्यों को हटाया गया है, लेकिन भ्रष्टाचार या अन्य आरोपों डिटेल को सार्वजनिक नहीं किया गया।

जानकारों का मानना है कि यह कार्रवाई केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना और राजनीतिक व्यवस्था में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का भी हिस्सा है। 2012 में सत्ता संभालने के बाद से जिनपिंग ने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हजारों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई है। पिछले कुछ वर्षों में चीन के रक्षा मंत्रालय, सैन्य खरीद प्रणाली, मिसाइल बल और रक्षा उद्योग से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी भी जांच के दायरे में आए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि बीजिंग सैन्य नेतृत्व में पूरी राजनीतिक निष्ठा और जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है। ताजा कार्रवाई यह दिखाती है कि चीन की सेना में जारी शुद्धिकरण अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि लगातार सीनियर अधिकारियों को हटाए जाने से एक ओर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे को ईरान ने किया खारिज, अमेरिका के साथ दोहा वार्ता अभी टली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ईरान पीस वार्ता को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाली बैठक को सिरे से नकार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि दोनों देशों के अधिकारी कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात करेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस बात को पूरी तरह से गलत बताया है। यह बयान ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है जिससे नई अनिश्चितता पैदा हो गई है।

ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। हालांकि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह कतर की यात्रा जरूर करेगा लेकिन इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान ने होर्मुज में जहाजों के गुजरने और नाजुक शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर पानी फेर दिया है। यह घटनाक्रम कूटनीतिक संबंधों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्विट्जरलैंड शांति समझौते पर संकट : कुछ ही दिन पहले दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण डील हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रही महाजंग अब खत्म होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से गहरे मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद ईरान के नए बयान ने शांति समझौते की लाइफलाइन को काफी कमजोर कर दिया है। ईरान द्वारा उठाए गए कुछ सख्त कदमों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई शहरों में जमकर बमबारी की थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया था। परस्पर विरोधी बयानों ने दोनों मुल्कों के बीच कूटनीति के भविष्य को लेकर दुनिया भर में एक नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। यह स्थिति वैश्विक शांति और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है। अमेरिका और ईरान पिछले चार महीने तक चले भयंकर संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए थे। दोनों देश एक 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन को बनाए रखने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने सैन्य संघर्ष को रोकने और व्यापार के लिए होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी। बातचीत रुकने से इन सभी अहम फैसलों के लागू होने पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने दावा किया था कि तेहरान ने खुद अमेरिका के साथ इस शांति बातचीत की गुजारिश की थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी इस अहम बैठक की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

व्हाइट हाउस ने बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस हाई लेवल मीटिंग में हिस्सा लेने वाले थे। उनके साथ जेरेड कुशनर भी शांति वार्ता के लिए कतर की राजधानी दोहा जाने वाले थे। लेकिन ईरान के अचानक आए इस बयान ने अमेरिकी प्रशासन की सभी तैयारियों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कतर यात्रा पर स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है।

जर्मनी के स्टाड शहर में अंधाधुंध गोलीबारी, 5 लोगों की मौत; 8 महीनों में चौथी बड़ी वारदात

बर्लिन, एजेंसी। यूरोपीय देश जर्मनी एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठा है। उत्तरी जर्मनी के स्टाड शहर में सोमवार को हुई मास शूटिंग की एक दिल दहला देने वाली घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है। इस हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया है।

स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी : यह दुखद वारदात स्टाड शहर के डैंकर्सश्ट्रासे इलाके में हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हमला शहर के केंद्र में स्थित एक युवा केंद्र के पास हुआ, हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसे 'मदर एंड चाइल्ड शेल्टर' भी बताया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी दी है कि इलाके में काफी देर तक गोलियों की आवाजें सुनाई देती रहीं, जिससे स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने नागरिकों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है ताकि आपातकालीन सेवाओं और जांच अभियान में कोई बाधा न आए। फिलहाल, मृतकों की पहचान को लेकर केवल इतना बताया गया है कि मारे गए सभी पांचों व्यक्ति वयस्क थे। घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति के बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

आठ महीनों में चौथी बड़ी वारदात : 50 हजार की आबादी वाला स्टाड शहर अब उस सूची में शामिल हो गया है जहां हाल के दिनों में भीषण गोलीबारी हुई है। चिंताजनक बात यह है कि पिछले आठ महीनों के भीतर जर्मनी में मास

शूटिंग की यह चौथी बड़ी घटना है। यह आंकड़ा देश की आंतरिक सुरक्षा और बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हालिया घटनाओं का सिलसिला: 20 फरवरी 2026: बवेरिया के स्टूलेंडॉर्फ में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

25 जनवरी 2026: बर्लिन के टियरगार्टन में एक पारिवारिक विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

25 नवंबर 2025: रुतलिंगेन में एक व्यक्ति ने अपनी बहन की हत्या करने के बाद अपने ही दो बच्चों, अपने साथी और अंत में खुद को भी गोली मार ली थी। स्टाड पुलिस का कहना है कि वर्तमान हमले के पीछे का मकसद और परिस्थितियां अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई हैं। मुख्य हमलावर और उसके साथी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कोई सोची-समझी साजिश थी या किसी व्यक्तिगत रंजिश का परिणाम। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, नई जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)